दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 324/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 10 जुलाई 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में गिरावट, सेंसेक्स 207 अंक गिरा, निफ्टी 24,380 पर

सांध्यप्रकाश विशेष

वेद पुराण व भगवद् गीता के साथ अन्य ग्रंथ भी पढ़ेंगे,गृह मंत्री शाह करेंगे शुभारंभ

इंदौर। इंदौर के शासकीय अटल बिहारी वाजपेई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के छात्र अब वेद, पुराण, रामायण, महाभारत, श्रीमद्भगवदगीता जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक और साहित्यिक ग्रंथों का अध्ययन कर सकेंगे। 14 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में जीएसीसी में 'भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र' का उद्घाटन किया जाएगा।

यह राज्य में पहला ऐसा केंद्र होगा, जहां छात्रों को भारतीय इतिहास, परंपरा और संस्कृति को समझाने के लिए सैकड़ों किताबें और लेख उपलब्ध होंगे। यहां विभिन्न ग्रंथों जैसे शिवपुराण, रामचरित मानस आदि भारतीय महान इतिहास और साहित्य का विस्तारपूर्ण अध्ययन किया जाएगा।

'हर छात्र करेगा पौधरोपण': जीएसीसी में एक नया पहला विद्या वन स्थापित किया जा रहा है, जहां प्रथम वर्ष के हर छात्र को कम से कम एक पौधा लगाने का मौका मिलेगा और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी उसे सौंपी जाएगी। इस प्रोग्राम के अनुसार, छात्र अपने लगाए गए पौधों की तीन साल तक संरक्षण करेंगे। इस पहल के माध्यम से, प्राचार्य डॉ. प्रकाश गर्ग ने बताया कि हर छात्र को इस कार्यक्रम में अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिसमें पौधों के संरक्षण के साथ-साथ उनका पालन-पोषण भी शामिल है। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगी, बल्कि छात्रों में जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करेगी।

सतीश उपाध्याय ने की गृहमंत्री शाह से मुलाकात

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह-प्रभारी सतीश उपाध्याय ने केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह से दिल्ली में सौजन्य भेंट कर आभार व्यक्त किया। इस दौरान संगठन को गति देने के विषयों पर चर्चा हुई।

उज्जैन की गलियों में गूंजेंगे भक्ति के बोल, भगवान महाकाल की सवारी को लेकर किए जा रहे विशेष इंतजाम

उज्जैन। सावन और भादों का महीना भगवान शिव की पूजा के लिए विशेष माना जाता है। इस दौरान, देशभर के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर भी इन दिनों विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र बन जाता है।

इस पूरे महीने में, भगवान महाकालेश्वर की सवारी हर सोमवार को निकाली जाती है। यह सवारी भगवान के भक्तों के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती है। इस सवारी में भगवान महाकालेश्वर को विभिन्न रूपों में सजाकर शहर की गलियों में घुमाया जाता है। भक्तों को सड़क के किनारे खड़े होकर भगवान के दर्शन करने का अवसर मिलता है।

सांवरिया सेठः चढ़ावे की हो रही मासिक गिनती, दो दिनों की गिनती पहुंची 12 करोड़ के पार

चित्तौड़गढ़। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित मेवाड़ के आराध्य देव के रूप में पूजे जाने वाले प्रसिद्ध कृष्ण धाम भगवान प्रभु सांवरिया सेठ मंदिर में मासिक गिनती चल रही हैं। पहले दो दिनों की गिनती 12 करोड़ के पार पहुंच गई हैं।

मंदिर बोर्ड के प्रशासनिक अधिकारी कैलाश चंद्र दाधिच ने बताया कि सोमवार को भंडार कक्ष में चढ़ावे की गिनती का आंकड़ा 4 करोड़ 35 लाख रुपए तक पहुंच गया। मंदिर में दो चरणों की गिनती में यह आंकड़ा 12 करोड़ के पार हो गया है। भंडार कक्ष में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई गई नकदी और आभूषण की गिनती अभी दो-तीन दिन और चलेगी।

बता दें कि सांवरिया सेठ के भक्त मंदिर में दिल खोलकर चढ़ावा राशि भेंट करते हैं। इनमें कई ऐसे भक्त हैं, जो गुप्त रूप से दान करते हैं। मंदिर में हर महीने की चतुर्दशी पर दान पेटी खोली जाती है।

Rahul Dravid did it again. Keeping up with h
principles of taking an equal share of prize bonus as the rest of his support staff, the outgoing head coach refused to take the additional ₹2.5 crore that the Board of Control for Cricket in India (BCCI) was awarding him — at par with members of the playing squad of India's T20 World Cup winning team.

India's outgoing head coach Rahul Dravid has stuck to hi principle of taking the same prize money as his support staff. (PTI)

ऑस्ट्रियाई चांसलर ने मोदी के रात्रिभोज की मेजबानी की, गले मिले

वियना। रूस की दो दिवसीय यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रिया पहुंचे। यहां वियना में ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने पीएम मोदी के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया। इस दौरान दोनों की एक गले लगे हुए तस्वीर भी सामने आई है। रात्रिभोज के लिए पीएम मोदी का स्वागत करते हुए ऑस्ट्रियाई चांसलर नेहमर ने कहा कि आपका स्वागत करना मेरे लिए खुशी और सम्मान की बात है। मैं आपकी यात्रा के दौरान राजनीतिक और आर्थिक चर्चा के लिए उत्सुक हूं। पीएम मोदी के स्वागत की नेहमर ने ट्वीट कर तस्वीरें भी शेयर कीं। नेहमर के ट्वीट के जवाब में पीएम मोदी ने कहा आपसे मिलकर खुशी हुई। भारत-ऑस्ट्रिया की दोस्ती मजबूत है, आने वाले समय में यह और मजबूत होगी। दोनों देश वैश्विक भलाई के लिए

मिलकर काम करना जारी रखेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल एक्स पर पोस्ट में कहा, भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने निजी बातचीत के लिए मेजबानी की। यह दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक है। इसमें द्विपक्षीय साझेदारी की पूरी क्षमता को साकार करने पर चर्चा होगी। इस दौरान जयसवाल ने वियना में दोनों नेताओं की एक तस्वीर भी साझा की। ऑस्ट्रिया पहुंचने के बाद वियना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतवंशी लोगों से मुलाकात की और उनका हाल जाना। वहीं, पीएम ने भारतवंशी लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान पीएम मोदी के साथ ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर भी मौजूद रहे।

विधानसभा अब पेपरलैस..ईविधान परियोजना मंजूर

केबिनेट बैठक : नया विमान खरीदेगी सरकार, कई प्रस्ताव पारित

भोपाल। मध्य प्रदेश की विधानसभा में सभी काम आनलाइन होंगे। सदस्यों को सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्न भी आनलाइन स्क्रीन पर नजर आएंगे। सभी सदस्यों के टेबल पर स्क्रीन लगेगी। इसके लिए ई-विधान परियोजना लागू की जाएगी। आज मंत्रालय में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

इसको लेकर संसदीय कार्य मंत्रालय, विधानसभा सचिवालय और संसदीय कार्य विभाग के बीच पहले ही अनुबंध हो चुका है। इस परियोजना में 20 करोड़ से अधिक खर्च आ सकता है जिसके बाद विधानसभा पूरी तरह हाईटेक हो जाएगी। बैठक की शुरुआत वंदेमातरम के गायन के साथ हुई। मंत्री बनने के बाद रामनिवास रावत पहली बार कैबिनेट बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अन्य कैबिनेट सहयोगियों से मंत्री रामनिवास रावत का परिचय कराया।

बॉम्बार्डियर चैलेंजर 3500 विमान खरीदेगी सरकार

राज्य सरकार का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। किराए के विमान से काम चलाया जा रहा था। इसके लिए कैबिनेट ने तय किया है कि टेंडर के जरिएऔर विशेषज्ञों की कमेटी की रिपोर्ट पर तय किया गया है। कनाडा की कम्पनी का चैलेंजर 3500 जेट खरीदा जाएगा। इसकी कीमत 233 करोड़ रुपए होगी।

पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज शुभारंभ के मौके पर इंदौर में एक साथ 11 लाख पौधरोपण

मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में इंदौर में पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज के शुभारंभ के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी और इंदौर में एक साथ 11 लाख पौधरोपण को लेकर चर्चा हुई। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि पीएम एक्सीलेंस कॉलेज हर जिले में बन रहे हैं। 14 जुलाई को गृहमंत्री अमित शाह इंदौर आ रहे हैं। सभी जिलों में खुलने वाले पीएम एक्सीलेंस कॉलेज का शुभारंभ करेंगे। भारत सरकार द्वारा हर कॉलेज को 22 करोड़ रुपए दिए जा रहे हैं।

बंटवारे में मिले नर्मदा जल के पूर्ण उपयोग की तैयारी, 9271 करोड़ की परियोजनाएं मंजूर

विजयवर्गीय ने बताया कि नर्मदा घाटी विकास विभाग के अंतर्गत नर्मदा जल का बंटवारा नर्मदा वाटर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रिब्यूनल ने 45 साल पहले एमपी और गुजरात के बीच किया था। इसमें एमपी के हिस्से में 18.25 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी लिया जाना था जिसकी 31 दिसम्बर 2024 को अवधि खत्म हो रही है। इसे देखते हुए कैबिनेट ने आज तय किया है कि किसानों की सिंचाई का रकबा बढ़ाते हुए पानी का उपयोग भी बढ़ाया जाए। इसी के चलते बुधवार को कैबिनेट बैठक में सात परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजाओं से महेश्वर, ओंकारेश्वर समेत सभी को लाभ मिलेगा। ये सातों परियोजनाएं 9271 करोड़ रुपए की हैं।

इन प्रस्तावों को भी दी गई मंजूरी

विमुक्त घुमंतु और अर्धघुमंतु वर्ग को एससी एसटी से कम छात्रवृत्ति मिलती थी। जो छात्रवृत्ति इन वर्गों को दी जाती है। यही घुमंतु और अर्ध घुमंतु को भी दी जाएगी।

सीधी जिले में बोकारो नदी पर सिंचाई योजना शुरू होगी। 3310 हेक्टेयर जमीन पर 11 गांव के दस हजार से ज्यादा किसानों को फायदा होगा। इसके लिए 46 करोड़ की परियोजना को मंजूरी दी गई है। जेलों में क्षमता से अधिक कैदी हैं। इसे देखते हुए सरकार ने तय किया है कि नई जेलें बनाई जाएंगी ताकि कैदियों को रखने में हो रही दिक्कतों का समाधान हो सके।

मुस्लिम महिलाएं पति से ले सकती हैं गुजारा भत्ता

सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी- यह कोई दान नहीं, अधिकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मुस्लिम महिलाओं के हक में एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला पति से गुजारे भत्ता मांग सकती है। इसके लिए महिलाएं सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह धारा सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है, चाहें वे किसी भी धर्म की हों।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिला भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं। वो इससे संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं। पीठ ने आगे कहा कि गुजारा भत्ता कोई दान नहीं है, बल्कि शादीशुदा महिलाओं का अधिकार है। ये धारा सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है, फिर चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। मुस्लिम महिलाएं भी इस प्रावधान का सहारा ले सकती हैं। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा, हम आपराधिक अपील को इस निष्कर्ष के साथ खारिज कर रहे हैं कि धारा 125 सभी महिलाओं पर लागू होगी, न कि केवल विवाहित महिलाओं पर।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के समक्ष बुधवार को रीवा से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेश थारवानी, नरेश कालीएवं सुरेश पंजवानी ने भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल उपस्थित रहे।

टैंकर को बीच से चीरती हुई निकली बस, 18 लोगों की मौत, 19 घायल, योगी सरकार ने जताया दुःख

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक स्लीपर बस के दूध के टैंकर से टकरा जाने से कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हो गए। यह हादसा गढ़ा गांव के पास हुआ, जब बिहार से दिल्ली जा रही बस ओवरटेक करने की कोशिश में टैंकर से टकरा गई। टक्कर के कारण बस पलट गई। प्रशासन को मिली जानकारी के अनुसार पुलिस दल मौके पर मौजूद हुआ और घटना का जायजा लिया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक, बस में ज्यादातर प्रवासी मजदूर सवार थे। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है। 19 लोगों में से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। मरने वालों में 14 पुरुष यात्री शामिल हैं। इनके

अलावा दो महिलाओं और दो बच्चों की मौत भी हादसे में हो गई। अधिकारियों ने दो मृतकों की पहचान की है। रजनीश कुमार 26, और मोहम्मद शमीम 28, दोनों बिहार के रहने वाले हैं। अन्य पीड़ितों की पहचान की प्रक्रिया चल रही है। हादसा काफी गंभीर है बस के टक्करा जाने के बाद बस ने कई पलटी खाई है और टुकड़ो में बट गई है। बस काफी तेज गती से जा रही थी, जहां दुग्ध से भरा ट्रक आ टकरा गया। टक्कर इतनी भयानक थी की पास के गांव के लोगो तक इसकी आवाज सुनाई दी। हादसे की सूचना मिलते ही डीएम और एसपी मौके पर पहुंचे और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग, पोलिंग बूथ पर हंगामा

छिंदवाड़ा। संवाददाता। छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट पर उपचुनाव के लिए वोटिंग सुबह 7 बजे से जारी है। मतदान शाम 6 बजे तक चलेगा। 9 प्रत्याशी मैदान में हैं। मुख्य मुकाबला बीजेपी के कमलेश शाह, कांग्रेस के धीरन शाह और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के देवराबेन भलावी के बीच है। अमरवाड़ा के स्कूल में बनाए गए पोलिंग बूथ के बाहर मतदान के दौरान हंगामा हो गया। एक मतदाता की डॉक्यूमेंट्स को लेकर सुरक्षाकर्मियों से बहस हो गई। गोंगपा प्रत्याशी भी मतदान केंद्र पर पहुंच गए। बातचीत के बाद हंगामा शांत हो गया। कांग्रेस प्रत्याशी धीरन शाह ने आंचलकुंड मतदान केंद्र के बूथ में वोट डाला। उपचुनाव में मतदाता छल को भी मुद्दा बनाकर वोट डाल रहे हैं। मतदाता स्वय जैन का कहना है, हमने अपने नेता चुना था, वो दूसरी पार्टी में चले गए, जनता से छल किया, इसी मुद्दे पर वोट किया है। व्यापारी मंडल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेश जैन का कहना है, स्थानीय मुद्दे बहुत ज्यादा हैं।

2008 बैच के आईएएस विकास नरवाल की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में कटौती, वापस मप्र लौटेंगे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश कैडर के 2008 बैच के ढ्रस्ट अधिकारी कोचीन पोर्ट अथॉरिटी के डिप्टी चेयरमैन विकास नरवाल की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अवधि में कटौती की है। उन्हें वापस अपने मूल कैडर मध्य प्रदेश में वापस भेजा जा रहा है। डीओपीटी द्वारा इस संबंध में जारी आदेश में बताया गया है कि पोर्ट्स ,शिपिंग और वॉटरवेज मंत्रालय के प्रस्ताव अनुसार यह कार्रवाई की गई है। बता दे की विकास नरवाल केंद्र सरकार में 1 जुलाई 2022 से 5 वर्ष के लिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गए थे लेकिन अब उनके कार्यकाल मैं कटौती कर उन्हें वापस अपने कैडर भेजा जा रहा है। इसके पीछे क्या कारण है, इसकी जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है। बता दे कि केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के पूर्व मध्य प्रदेश सरकार में विकास नरवाल कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। वे इंदौर में बिजली कंपनी के एमडी के रूप में भी कार्य कर चुके हैं।

जनसंपर्क विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर थी कार्यरत

भोपाल। जनसंपर्क विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर के पद पर कार्यरत पूजा थापक ने आज आत्महत्या कर ली। वह जनसंपर्क विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग दर्ज किया है। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एम्स) भेजा है। गोविंदपुरा पुलिस ने बताया कि जनसंपर्क विभाग की असिस्टेंट डायरेक्टर पूजा थापक साकेत नगर इलाके में परिवार के साथ रहती थी।

उन्होंने मंगलवार - बुधवार की दरम्यानी रात फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने बताया कि पूजा थापक का मंगलवार को पति से भी विवाद हुआ था। सुसाइड की वजह पति से विवाद तो नहीं है? इसकी जांच की जा रही है।

Cash share in large Cash using countries

India Cash usage is rapidly crashing down ; In India 2019 Cash share was = 71%Fell rapid-ly & by 2023 only = 20%By 2027, will fall in value to just = 10%This is an astounding & rapid change, never seen in the Banking world earlier. India now Banks via: UPI, QR Codes, UPI on DR & CR cards, NEFT / RTGS, Wallets, Contactless Devices, Payment Gateways. With over 70% of payments made in cash, Romania has been revealed as the country most reliant on physical cash. Nearly half (42%) of the Eastern European country population is unbanked showing that many of the citizens still cling to notes and coins.

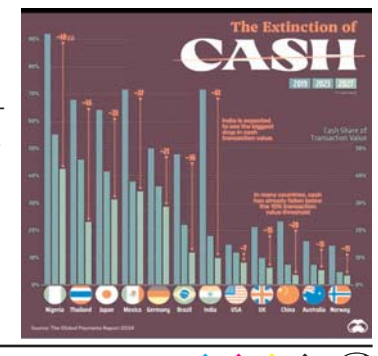

पुलिस एवं जनता संवाद कार्यक्रम में दी नए कानूनों की जानकारी

टीटी नगर थाना पुलिस ने आयोजित किया कार्यक्रम, उपस्थित रहे विधायक भगवानदास सबनानी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

थाना टीटी नगर भोपाल द्वारा पुलिस एवं जनता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गयाा। कार्यक्रम में नवीन कानूनों को लेकर जनता की जिज्ञासा और नए कानून में हुए बदलाव को पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समझाया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के विधायक भगवानदास सबनानी ने भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को लेकर किया जा रहे पुलिस के संवाद कार्यक्रम की सराहना की। आजादी के बाद से चले आ रहे कानूनो में बदलाव करने पर केंद्रीय गृह मंत्री माननीय अमित शाह जी को धन्यवाद दिया,और मोदी सरकार की जनता के प्रति न्याय व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। दंड संहिता को न्याय संहिता मे बदलाव एवं वर्तमान में साइबर क्राइम की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए नए कानून जो बनाए गए हैं उनके बारे में जनता और पुलिस के बीच हुए जन-जागरुकता के इसी प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर पुलिस विभाग से डीसीपी ज़ोन 1 प्रियंका शुक्ला,एडिशनल डीसीपी रश्मि अग्रवाल, एसीपी चंद्रशेखर पांडे,थाना प्रभारी मनोज पटवा, सब इंस्पेक्टर सुनील भदोरिया जी द्वारा जनता से संवाद कर उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिये गये। कार्यक्रम में कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जोन अध्यक्ष आरती अनेजा, पार्षद बृजला सचान,राजू अनेजा,पारस नरवरिया, न्यू मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष संजय बलेचा,अजय देवानी एवं गुजराती समाज के अध्यक्ष संजय पटेल जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री पटेल ने किया खाद्य और औषधि प्रशासन प्रयोगशाला का निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने भोपाल में ईदगाह हिल्स स्थित खाद्य एवं औषधि प्रशासन प्रयोगशाला का निरीक्षण किया।

इस मुख्यत: खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच को लेकर की गई। निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को खाद्य एवं औषधि नमूनों की खेती और विश्लेषण के लिए उपकरणों और विधियों के बारे में अवगत कराया। उन्होंने ड्रग लेब में भी औषधि और कॉस्मेटिक के नमूनों की जांच की प्रक्रिया का विशेष ध्यान दिया। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को खाद्य और औषधि नमूनों का पारदर्शिता से विश्लेषण करने के निर्देश दिए और आम जन / उपभोक्ताओं से प्राप्त खाद्य / औषधि नमूनों की भी जांच प्राथमिकता दी। इसके अलावा, विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में राज्य मंत्री ने ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी प्राप्त की और अवैध रूप से विक्रय होने वाली ड्रग और मिलावटी खाद्य सामग्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। नियंत्रक खाद्य और औषधि प्रशासन मयंक अग्रवाल, संयुक्त नियंत्रक माया अवस्थी, डिप्टी ड्रग कंट्रोलर शोभित, अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा देवेन्द्र कुमार वर्मा और अन्य विभागीय अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

नवनिध और मिठी में आपदा प्रबंधन अंतर्गत अग्निशमन यंत्र संचालन का दिया प्रशिक्षण

संत हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में कक्षा पहली लेकर बारहवीं तक की छात्राओं को अग्नि शमन यंत्र का प्रयोग करने के बारे में जानकारी दी गई। इसका उद्देश्य विद्यालय की छात्राओं को आग से सुरक्षा एवं अत्याधुनिक तकनीक अग्नि शमन यंत्र की जानकारी देना था। ताकि वे अचानक हुई अग्नि दुर्घटना के समय इस यंत्र का उपयोग करके अपने व अन्य लोगों के जीवन की रक्षा कर सकें। इस हेतु विद्यालय में श्यामला हिल्स से आए अग्नि शमन अनुदेशक शक्ति कुमार तिवारी एवं अग्निशामक शैफुद्दीन ने अग्नि शमन यंत्र के संचालन का प्रदर्शन करते हुए इसका प्रशिक्षण दिया तथा आग लगने पर अग्नि नियंत्रण के अलग-अलग तरीके भी सिखाए। इधर, मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल ने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा के महत्व, आग को रोकने और उसका नियंत्रण हेतु आवश्यक कदमों के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से एक व्यापक अग्नि सुरक्षा उपाय सत्र आयोजित किया। इस सत्र का संचालन प्रसिद्ध अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ शक्ति कुमार तिवारी ने किया। इसमें विभिन्न प्रकार की दिलचस्प और सूचनात्मक गतिविधियाँ शामिल थीं। इस अवसर पर अग्नि सुरक्षा का महत्व, स्कूलों में आग लगने के सामान्य कारण, अग्नि सुरक्षा नियमों और मानकों का अवलोकन आदि शामिल थे। विशेषज्ञों ने व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया, जहाँ उन्होंने अग्निशामक यंत्र के उपयोग का प्रदर्शन किया और एक अभ्यास सत्र भी दिया। उन्होंने अग्नि ड्रिल अभ्यास का भी अनुकरण किया।

उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गांव में छात्राओं ने लगाए 200 पौधे

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड की छात्राओं के द्वारा उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए गए गाँव सूखा निपानिया में एक पेड़ माँ के नाम की थीम पर वृक्षारोपण किया गया। छात्राओं ने ईको क्लब के बैनर तले अपने प्राध्यापकों के साथ गाँव जाकर जामुन, अमरूद, पीपल, अनार, चिनार, इमली, आंवला, अमलतास आदि के 200 से अधिक पेड़ लगाए।

ग्राम पंचायत सूखा निपानिया के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों ने भी इस अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया एवं संस्थान के प्रयास की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्नत भारत अभियान की कोऑर्डिनेटर डॉ. शालू पांडे एवं इको क्लब कोऑर्डिनेटर प्रो. नेहा छुगानी ने बताया कि इसके पूर्व में भी संस्थान की छात्राओं के द्वारा इन गाँव में अनेक कार्य किये गए हैं जैसे- चिकित्सा शिविर, कॉमिक फॉर चेंज का आयोजन, स्वच्छता अभियान इत्यादि। संस्थान की छात्राओं ने इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करके सरोकार को महसूस किया।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान: 70 स्वास्थ्य संस्थाओं में गर्भवती महिलाओं की जांच

भोपाल। गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत भोपाल में मंगलवार को 70 स्वास्थ्य संस्थाओं में शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 853 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। इन शिविरों में महिलाओं को घर से लेकर और वापस ले जाने की सुविधा 108 एंबुलेंस के माध्यम से मुहैया कराई गई। ये शिविर प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीखों को आयोजित किए जाते हैं। भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि इन शिविरों में निजी क्षेत्र के चिकित्सक भी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही सिविल अस्पताल बैरसिया, सिविल अस्पताल बैरागढ़, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर में निजी क्षेत्र के सोनोलॉजिस्ट द्वारा जांच की जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गांधी मेडिकल कॉलेज, जयप्रकाश जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल डॉ. कैलाशनाथ काटजू में गर्भवती महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य परामर्श भी दिया जा रहा है। एक्सटेंडेड प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत इन शिविरों में आने वाली गर्भवती महिलाओं का पिकअप और ड्रॉपबैक 108 एंबुलेंस द्वारा निशुल्क किया जा रहा है।

नागरिकों की शिकायतों को त्वरित निराकृत करें: महापौर

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने निर्देशित किया है कि महापौर हेल्प लाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित गति से निराकरण किया जाये। महापौर श्रीमती राय ने यह निर्देश महापौर हेल्प लाईन की समीक्षा करते हुए दिये। समीक्षा के दौरान महापौर श्रीमती राय ने अनेक शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर चर्चा की और फीडबैक लिया। शिकायतकर्ताओं ने अपनी शिकायतों के त्वरित निदान होने के संबंध में अवगत कराया और महापौर के प्रति आभार भी व्यक्त किया। महापौर श्रीमती मालती राय ने मंगलवार को स्मार्ट सिटी कार्यालय स्थित कॉल सेंटर में महापौर हेल्प लाईन की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान महापौर श्रीमती राय ने हेल्प लाईन पर प्राप्त शिकायतों एवं उनके निराकरण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने सीवेज, स्ट्रीट लाईट, जलकार्य, अतिक्रमण, डॉग स्क्वाड सहित अन्य लंबित शिकायतों के निराकरण के संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा की और महापौर हेल्प लाईन पर लंबित शिकायतों को तत्काल निराकृत करने के निर्देश दिए।

हनुमान चालीसा का पाठ करने से जाग्रत होती है शक्तियां: कैलाश मिश्रा

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रात: प्रार्थना के समय संगीतमय हनुमान चालीसा के पाठ का प्रारम्भ किया था। इसी कड़ी में इस मंगलवार को प्रात: प्रार्थना के समय मुख्य अतिथि के रूप में कैलाश मिश्रा, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी बच्चों का उत्साह वर्धन करने के लिए उपस्थित हुए और एक हजार बच्चों के साथ अनुशासन में स्वरबद्ध हनुमान चालीसा का पाठ किया। बसंत चेलानी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि इस शाला में हनुमान चालीसा का पाठ प्रत्येक मंगलवार को होता है और हम प्रत्येक महीने में चार से पांच बार हनुमान जी का नाम लेते है। कैलाश मिश्रा ने कहा कि शायद भोपाल के अन्दर ये पहला स्कूल होगा जहाँ पर प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है। हनुमान जी बल और बुद्धि के देवता है। उनका पाठ करने से बल एवं बुद्धि का विकास होता है।

अमेजन ने लॉन्च की फायर टीवी स्टिक 4 के फायर टीवी स्टिक 4 के

भोपाल। अमेजन ने भोपाल में रु 5999 की कीमत पर अपनी नई फायर टीवी स्टिक 4 के का लॉन्च किया है। फायर टीवी फैमिली में यह नया एडीशन भारत में अमेजन की सबसे पावरफुल स्ट्रीमिंग स्टिक है। फायर टीवी स्टिक 4 के, वाइब्रेन्ट अल्ट्रा एचडी पिक्चर क्वालिटी, डोल्बी विज़न, एचडीआर 10प्लस और डोल्बी एटमोस ऑडियो के साथ सिनेमेटिक 4के कंटेंट के लिए फास्ट-स्ट्रीमिंग पेश कर होम एंटरटेनमेन्ट के अनुभव को कई गुना बेहतर बना देती है। उपभोक्ता इस डिवाइस को सीधे अपने मौजूदा टीवी के एचडीएमआई पोर्ट में कनेक्ट कर सकते हैं और अपने पसंदीदा कंटेंट की स्ट्रीमिंग का लुत्फ़ उठा सकते हैं। उपभोक्ता फायर टीवी डिवाइसेज़ की रेंज जैसे फायर टीवी स्टिक, फायर टीवी स्टिक 4 के मैक्स और फायर टीवी क्यूब पर लोकप्रिय ओटीटी प्रदाताओं, यूट्यूब और अन्य वीडियो ऐप्स के वीडियो एंटरटेनमेन्ट कंटेंट का आनंद उठा सकते हैं। आज देश भर में 99 फीसदी पिनकोड्स के उपभोक्ता फायर टीवी डिवाइसेज़ खरीदते हैं। 2023 में महानगरों एवं गैर-महानगरों में फायर टीवी पर सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले अमेजन प्राइम वीडियो टाइटल्स थे- पठान, जेलर, फरज़ी, दृश्यम 2 तथा रॉकी और रानी। एलेक्सा के माध्यम से वॉइस के लिए सबसे ज़्यादा सर्च किए जाने वाले टाइटल्स थे- तारक मेहता का उल्टा चश्मा, बिग बॉस, अनुपमा, रामायण और सीआईडी।

वार्षिक परीक्षाओं में अव्वल आने वाले 155 छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

जब-जब नौजवान हंसता है तब-तब हिन्दुस्तान खिलता है: विधायक रामेश्वर शर्मा

संत हिरदाराम नगर। लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी गांधीनगर द्वारा संचालित लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ उ.मा. विद्यालय एवं प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल पीपलनेर गांधीनगर में कक्षा 5वीं से 12वीं तक के 155 छात्र-छात्राओं का पुरस्कार वितरण समारोह हुजूर क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। प्रारंभ में अतिथियो का स्वागत शाला के सचिव रमेश हिंगोरानी, योगेश हिंगोरानी, नीलेश हिंगोरानी, प्राचार्या जयश्री ममतानी, आरती कुलकर्णी, नवीन नामदेव एवं नीता अग्रवाल द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। इस अवसर पर बोर्ड एवं हाईस्कूल की परीक्षा में 155 छात्र-छात्राएं जिन्होंनें विद्यालय की वार्षिक परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है उन्हें पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामेश्वर शर्मा ने कहा कि हमें वर्तमान भारत को संभालना है क्योंकि यह हमारे पूर्वजों द्वारा दी गई विरासत है, अब भारत को कैसे बढ़ाना है यह जिम्मेदारी आपकी है। भारत की प्रगति में हर व्यक्ति का महत्वपूर्ण योगदान है चाहे वह चांद पर पहुंचने वाले वैज्ञानिक हों, विद्यार्थी हों या मजदूर हों जिसमें सबसे महत्वपूर्ण योगदान है सीमा पर तैनात सैनिकों का, उसका लक्ष्य होता है मेरे हिन्दुस्तान पर जो आँख उठाएगा मैं उसकी आँख फोड़ दूंगा। वह तिरंगा लिए हर परिस्थिति में अडिग रहता है। प्रगति के लिए विद्यार्थी संकल्परत् है।

शर्मा एण्ड विष्णु फास्ट फूड अब पटेल नगर में भी

भोपाल। शर्मा एण्ड विष्णु फास्ट फूड शहर का एक जाना पहचाना नाम है, जो पिछले 24 सालों से भोपालवासियों को अपने स्वाद का लुफ्त देता आ रहा है, भोपाल में इनके कई आउटलेट पहले से ही संचालन मे हैं। अब पटेल नगर रायसेन रोड में नये आउटलेट का शुभारंभ कृष्णा गौर राज्यमंत्री म.प्र. शासन, सुमित पचैरी भोपाल जिला अध्यक्ष भाजपा, राजेश चैकसे पार्षद वार्ड 62, राजेंद्र गुप्ता जिला मिडिया प्रभारी, सुरेंद्र गांधी एवं सुरेखा गांधी के द्वारा संपन्न हुआ जो ईशान पार्क, पटेल नगर, रायसेन रोड में स्थित है। शर्मा एण्ड विष्णु फास्ट फूड अपने स्वादिष्ट व्यंजनों के लिये जाना जाता है इनके संचालकों ने बताया कि यहां की फूड वैरायटी में सूप, सेंडवीच, बर्गर, पावभाजी, चायनीच, इंडियन, साउथ इंडियन, पास्ता, पीज्जा, कोल्ड कॉफी, जूस सभी तरह के शेक्स एवं मोक्टेल्स आदि के साथ-साथ क्रिस्पी नूडल्स, मंचूरियन (ग्रेवी), मंचूरियन (ड्राय), वैसे तो यहा का हर खाना स्वादिष्ट है, पर यहां के युवा वर्ग क्रिस्पी नूडल्स को काफी पसंद करते है। क्रिस्पी नूडल्स भोपाल में पहली बार 2005 इन्ही ने ही बनाना शुरू किए थे, जो आज भी फेमस है। आप सभी सादर आमंत्रित है, हमें सेवा का अवसर प्रदान करें।

नर्सिंग कॉलेज घोटाला मामले में बड़ा खुलासा

दोयम दर्जे के आउटसोर्स कर्मचारी देते थे कॉलेजों को मान्यता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में कांग्रेस ने नर्सिंग घोटाले का मुद्दा उठाया और सीबीआई जांच के बीच घोटाले का जिन्न एक बार फिर बोतल से बाहर आ गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग पर आरोप लगाए थे...

मध्यप्रदेश के बहुचर्चित और विवादित नर्सिंग कॉलेज घोटाला मामले में बड़ा गोलमाल सामने आया है। आरोप है कि दोयम दर्जे के आउटसोर्सिंग कर्मचारी नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दिलाने का काम कर रहे थे। बेशर्मी से पूरा रैकेट चलाया जा रहा था। हैरानी की बात ये है कि जिस नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल को स्वशासी संस्था बताया गया, वो किसी निजी फर्म की तरह काम कर रही थी। किसी निजी कंपनी की तरह ठेके पर ऐसे कर्मचारियों को कॉलेजों को मान्यता देने का काम सौंपा गया था, जिनकी योग्यता तक परखने की जहमत तक किसी ने नहीं उठाई।

विधानसभा के मानसून सत्र में कांग्रेस ने उठाया मुद्दा: आरोप है कि हाउस कीपिंग और सिक्योरिटी एजेंसी के 56 आउटसोर्स कर्मचारी कॉलेजों को मान्यता दिला रहे थे, जिनकी शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज तक काउंसिल के पास नहीं थे। ये खुलासा तब हुआ, जब मामले के व्हिसिल ब्लोअर और लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। दरअसल, मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में कांग्रेस ने नर्सिंग घोटाले का मुद्दा उठाया और सीबीआई जांच के बीच घोटाले का जिन्न एक बार फिर बोतल से बाहर आ गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा में तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग पर राष्ट्रपति को गुमराह करने के आरोप लगाए थे।

दरअसल, हाईकोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने काउंसिल के लिए नियमित कर्मचारियों के 37 पद मंजूर किए थे, लेकिन उनकी तैनाती नहीं की गई। सिर्फ स्वास्थ्य विभाग के पदेन अध्यक्ष और रजिस्ट्रार की ओर से बनाई गई नर्स ट्यूटर और स्टाफ नर्स के अलावा कोई नियमित कर्मचारी नहीं था। गड़बड़ी की जिम्मेदारी तय न हो पाए, इसलिए नियमित कर्मचारी काउंसिल को नहीं दिए गए। पदेन अध्यक्ष और रजिस्ट्रार को आउटसोर्स पर कर्मचारी रखने की छूट दी गई थी। 2022 में तत्कालीन रजिस्ट्रार ने वैष्णव हाउस कीपिंग एंड सिक्योरिटी के नागेंद्र मिश्रा से आउटसोर्स पर कर्मचारी रखने का अनुबंध किया था।

व्हिसिल ब्लोअर ने बताया पूरा खेल: हाईकोर्ट में पेश जवाब में अनुबंध से लेकर कर्मचारियों की तैनाती तक में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है, जिसकी कॉपी जनहित याचिका लगाने वाले व्हिसिल ब्लोअर और लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल को भी उपलब्ध कराई गई है। द सूत्र से खास बातचीत में विशाल ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता के मामले में जिम्मेदारी से बचने के लिए अयोग्य कर्मचारियों को रखा गया। इसी पर आपत्ति जताकर विशाल ने हाईकोर्ट में कुछ अहम तथ्य पेश किए हैं।

56 कर्मचारियों को आउटसोर्स पर रखा: दरअसल, नर्सिंग काउंसिल में कॉलेजों के पंजीयन, मान्यता, सत्यापन और परीक्षा जैसे कामों के लिए उच्च योग्यता की जरूरत थी। अब आरोप है कि आउटसोर्स के 56 कर्मचारियों की योग्यता के भी मापदंड तय नहीं किए गए। रजिस्ट्रार ने ये तक नहीं बताया कि स्टाफ कितना पढ़ा लिखा होना चाहिए। उन्होंने कलेक्टर दर पर दिहाड़ी कर्मचारियों की मांग की और सबसे हैरानी की बात ये है कि अनुबंध ही श्रमिक श्रेणी का था। वहीं, अनुबंध की शर्तों में कर्मचारी का ईमानदार होना भी शामिल था, लेकिन इसके मापदंड तक तय नहीं थे। फिर भी रजिस्ट्रार ने बताया कि स्वशासी संस्था में कई काम गोपनीय होते हैं, लिहाजा, पुलिस की ओर से बना कर्मचारियों का चरित्र प्रमाण पत्र अनिवार्य किया गया, लेकिन पुलिस चरित्र प्रमाण पत्र जारी नहीं करती, सिर्फ व्यक्ति के अपराध में शामिल नहीं होने का सत्यापन करती है।

2020 में पहली बार सामने आया फर्जीवाड़ा: मध्यप्रदेश में सबसे पहले 2020 में ये बात सामने आई थी कि राज्य नर्सिंग काउंसिल ने ऐसे कॉलेजों को मान्यता दी है, जो या तो केवल कागजों पर चल रहे थे या किराए के एक कमरे में चल रहे थे। कई नर्सिंग कॉलेज किसी अस्?पताल से संबद्ध नहीं थे। मामले को लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई। जिनकी सुनवाई में कोर्ट ने प्रदेश के सभी 375 नर्सिंग कॉलेजों की जांच सीबीआई को सौंप दी। अक्टूबर 2022 में हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने जांच शुरू की।

पूरी की पूरी दाल ही काली: सीबीआई की शुरुआती जांच में कई नर्सिंग कॉलेजों में बड़े स्तर पर अनियमितताएं सामने आईं। ये कॉलेज अनिवार्य मानकों को पूरा नहीं करते थे। फिर भी मंजूरी पाने में कामयाब रहे। हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने निरीक्षण दल बनाए, जिसमें उसके अपने अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ और भूमि रिकॉर्ड अधिकारी शामिल थे। अब व्हिसल ब्लोअर विशाल बघेल की याचिका के बाद दोयम दर्जे के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की ओर से नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दिलाने का खुलासा हुआ है। यानी यहां दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी की पूरी दाल ही काली नजर आती है।

मप्र से रोजाना 28 महिलाएं, 3 लड़कियां गायब होने पर भी यादव सरकार बेफिक्र: विभा पटेल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि भाजपा की मोहन यादव सरकार का मप्र में महिलाओं समेत लाड़ली बहनों की सुरक्षा का दावा खोखला है। इनके लिए मध्य प्रदेश अब सबसे ज्यादा असुरक्षित है। इसकी बड़ी मिसाल ये है कि प्रदेश से रोजाना 28 महिलाएं और 3 लड़कियां गायब हो रही है। इनका पता लगाने में भाजपा की मोहन यादव सरकार ने कोई दिलचस्पी नहीं ली, यानी सीधे तौर पर लापरवाही बरती।

श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि गैर भाजपा शासित राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, दिल्ली की घटनाओं को लेकर भाजपा भोपाल में तो हाय तौबा मचाती है लेकिन तीन साल में मध्य प्रदेश से 28 हजार 857 महिलाएं जबकि 2944 लड़कियां लापता होने पर मुंह नहीं खोलती है। उन्होंने कहा कि दुख तो ये है कि इतनी संख्या में लापता केस होने पर आधिकारिक तौर पर 724 मामले ही दर्ज किए गए। प्रदेश की महिलाएं और लाड़ली बहनें, मणिपुर में महिला हिंसा, शोषण और नईदिल्ली में महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले को भूली नहीं है।

श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि अभी राज्य की यादव सरकार का ध्यान प्रदेश की जनता को भ्रमित करने, रोज नए-नए इवेंट करने और उसका झूठा प्रचार-प्रसार करने में ही रहता है। प्रदेश के आम आदमी, माताओं-बहनों और लाड़लियों से उनका कोई सरोकार नहीं है।

श्रीमती विभा पटेल ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की यादव सरकार महिला उत्पीड़न, महिला हिंसा रोकने में नाकाम रही हैं। पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था को गंभीरता से स्थापित करने के बदले मामलों की लीपापोती करने में लगा है। इससे प्रदेश में कानून-व्यवस्था और न्याय का राज समाप्त हो रहा है।श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि दुखद तो यह है कि जवाबदेह कुर्सियां ऊंचा सुनने लगी हैं। अपराध, अनीति, अव्यवस्था, अन्याय, अराजकता, असमानता आदि के इस दौर में न्याय दरिद्र हो चुका है। देखने वालों की दूरदृष्टि नष्ट हो चुकी है।

महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में लगाया अशोक का पौधा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने भोपाल के जवाहर बाल भवन में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में अशोक का पौधा लगाया। इस अवसर पर आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने भी अमरूद का पौधा लगाया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में पौध-रोपण किया जा रहा है। उन्होंने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हर व्यक्ति एक पौधा लगाए और उस पौधे की देखभाल तब तक करें जब तक वह पेड़ नहीं बन जाता। सुश्री भूरिया ने कहा कि इस क्रम में प्रदेश के सभी ऑगनवाड़ियों केन्द्रों में भी पौध-रोपण किया जायेगा। उन्होंने बाल भवन में बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रों, संगीत कक्ष, लाइब्रेरी आदि का भ्रमण कर जानकारी ली। इस अवसर पर जवाहर बाल भवन की संचालक श्रीमती शुभा वर्मा सहित सभी अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

अनाधिकृत रूप से चिन्हित कॉलोनियों का सर्वे दल गठित

भोपाल। गोविन्दपुरा क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से चिंन्हित कॉलोनियों का सर्वे करने के लिये दल गठित किया गया है। राजस्व, नगर निगम, पुलिस, एमपीईवी के अधिकारियों को दल में शामिल किया गया है। अधिकारियों का यह दल अनाधिकृत कॉलोनियों में सड़क, बिजली, पानी और सीवेज की सुविधा को प्राथमिकता से उपलब्ध करने के लिये पता लगायेगा। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने निवास कार्यालय पर हुई समीक्षा बैठक में दल के गठन के निर्देश दिये है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि गोविन्दपुरा क्षेत्र में 50 से अधिक अनाधिकृत रूप से चिन्हित कॉलोनियाँ है। इन कॉलोनियों में सड़क, बिजली, पानी और सिवेज जैसी मूलभूत सुविधाओं से इस कॉलोनियों के रहवासी वंचित है। बैठक में एसडीएम श्री एल.के. खरे सहित अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बिना कर के विकास बजट पर मुख्यमंत्री डॉ यादव को मंत्री राकेश शुक्ला ने दिया धन्यवाद

भोपाल। राजधानी भोपाल में सोमवार को राजभवन में ओबीसी नेता एवं मोहन कैबिनेट में 31 वे मंत्री बने रामनिवास रावत सुर्खियों में रहे। रावत ग्वालियर चंबल संभाग के चिर परिचित नेता है तो वहीं मंगलवार को संघ (आरएसएस) के मुख्यालय से लौटकर आए डॉ मोहन यादव से इसी संभाग से भाजपा के कद्दावर नेता और मध्यप्रदेश सरकार में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। मंत्री राकेश शुक्ला ने ग्वालियर चंबल संभाग के साथ विकसित मध्यप्रदेश को लेकर मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में प्रदेश के बिना कर बढ़ाए अभी तक के सबसे बड़े विकास बजट पर मुख्यमंत्री यादव का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंत्री शुक्ला ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए उन्हें अंग वस्त्र पहनाकर प्रदेश की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया।

छायाचित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ, निःशुल्क प्रवेश के साथ 16 तक खुली रहेगी

भोपाल। संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा श्यामला हिल्स स्थित राज्य संग्रहालय में मध्यप्रदेश की गोंड कालीन रियासतों से संबंधित स्मारकों की छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिवशेखर शुक्ला ने किया। इसमें गोंड कालीन राजनैतिक घटनाओं, प्रशासनिक निर्णयों तथा अन्य विषयों से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेज के साथ ही गोंड कालीन रियासतों के शासकों के छायाचित्र, मानचित्र प्रतीक एवं वंशावली भी प्रदर्शित किये जा रहे है। प्रदर्शनी 16 जुलाई तक खुली रहेगी। प्रवेश नि:शुल्क है। भारत के मध्य कालीन इतिहास में गोंड शासकों का महत्वपूर्ण योगदान है। गढ़ेशनृपवर्णनम् अकबर नामा एवं 1667 ई. के रामनगर शिलालेख तथा संग्राम शाह के सिक्कों से इस राजवंश के संबंध में जानकारी उपलब्ध होती है। इस राजवंश का प्रथम शासक यादवराय या जादोराय था तदनन्तर खरजी, गोरक्षदास, संगिनदास (सुखनदास) एवं अर्जुनदास इस राजवंश के शासक हुए।

एमसीयू में देवी अहिल्या की जयंती स्मरण कार्यक्रम का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय एवं रिसर्च जर्नल समागम के संयुक्त तत्वावधान में लोकमाता देवी अहिल्या की जन्म जयंती स्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एमसीयू के सिटी कैंपस में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक सुश्री अर्चना चिटनीस, विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक श्री विकास दवे थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ.के.जी.सुरेश ने की। इस अवसर पर समागम पत्रिका की ओर से देवी अहिल्या पर निकाला गया विशेषांक मां का विमोचन भी किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.के.जी. सुरेश ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि देवी अहिल्या एक कुशल प्रशासक थी। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता के क्षेत्र में उन्होंने अद्भुत कार्य किया है। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने देश के विभिन्न बड़े-बड़े धार्मिक स्थलों एवं पवित्र नदियों के घाटों का निर्माण किया । 12 ज्योतिर्लिंगों का भी नवनिर्माण उनके द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने कहा कि देवी अहिल्या पर लिखना मतलब विराट व्यक्तित्व पर लिखना है। कार्यक्रम का संचालन एमसीयू सिटी कैंपस के निदेशक एवं सहायक कुलसचिव विवेक सावरीकर एवं आभार प्रदर्शन समागम पत्रिका के संपादक मनोज कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. डॉ.अविनाश वाजपेयी, आकाशवाणी भोपाल के समाचार संपादक श्री संजीव शर्मा, जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सारंग, संचार शोध विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी तिवारी, सांध्यकालीन पाठ्यक्रम के प्रभारी प्रदीप डहेरिया, पूर्व विद्यार्थी प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. लाल बहादुर ओझा एवं कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

एम्स के छात्र को शोध के लिए आईसीएमआर-पीजी थीसिस वित्तीय सहायता प्राप्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रो. (डॉ.) अजय सिंह, ने बायोकेमिस्ट्री विभाग के स्नातकोत्तर (एमडी) छात्र डॉ. करमुगिल तमिल को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी आईसीएमआर-पीजी थीसिस 2023 वित्तीय सहायता प्राप्त करने पर गर्व से बधाई दी है। 1,000 से अधिक आवेदकों में से, डॉ. करमुगिल को उनके अभूतपूर्व शोध प्रस्ताव के लिए 1 लाख रुपये का अनुदान दिया गया। डॉ. करमुगिल का शोध एम्स भोपाल में इलाज किए गए क्रोनिक राइनोसिनसिसिटिस और ब्रोन्किइक्टेसिस के रोगियों में सीरम द्व्द्व के स्तर का मूल्यांकन करने पर केंद्रित होगा। इस अध्ययन का उद्देश्य इन स्थितियों से जुड़े आवर्तक संक्रमणों के रोगजनन की समझ को गहरा करना है, जो भारतीय आबादी को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। इस शोध के निष्कर्षों से इन रोगों के लिए बेहतर प्रबंधन और उपचार रणनीतियों में योगदान मिलने की उम्मीद है। प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने डॉ. करमुगिल के समर्पण और उनके शोध के संभावित प्रभाव के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की। 卐यह उपलब्धि न केवल हमारे छात्रों की शैक्षणिक उत्कृष्टता को उजागर करती है, बल्कि भारत में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मुद्दों को संबोधित करने वाले चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए एम्स भोपाल की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है। डॉ. करमुगिल का काम क्रोनिक राइनोसिनसाइटिस और ब्रोन्किइक्टेसिस के प्रबंधन में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा, जिससे अंततः देश भर के रोगियों को लाभ होगा। डॉ. करमुगिल का शोध बायोकेमिस्ट्री के प्रोफेसर डॉ. अश्विन कोटनीस के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में किया जाएगा, जिसमें डॉ. विकास गुप्ता, अतिरिक्त प्रोफेसर और डॉ. शैला सिडाम, ओटोरहिनोलैरिंगोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर का सह-मार्गदर्शन होगा। शोध दल में पल्मोनरी मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. अलकेश खुराना और बायोकेमिस्ट्री के प्रोफेसर डॉ. जगत आर. कंवर भी शामिल हैं, जो अध्ययन के लिए एक व्यापक और बहु-विषयक दृष्टिकोण सुनिश्चित करते हैं।

समर्थन मूल्य पर किसानों को बोनस भुगतान के लिए 1000 करोड़ का बजट: खाद्य मंत्री राजपूत

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के बजट में 36 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा है कि समर्थन मूल्य पर किसानों से फसल उपार्जन पर बोनस के भुगतान के लिए एक हजार करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा है कि विभाग को गत वर्ष की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक बजट मिला है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में बनाये गए बजट में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया गया है। इससे विभागीय योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुँचाने में मदद मिलेगी।

लाड़ली बहनों को 450 रूपये में गैस सिलेंडर: मंत्री राजपूत ने बताया है कि लाड़ली बहनों को 450 रूपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री उज्वला योजना में 89 लाख हितग्राहियों को नि:शुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये गए हैं। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ऐसे हितग्राही जो प्रधानमंत्री उज्व ला योजना के लाभ से वंचित रह गये हैं, उन्हें राज्य सरकार की गैर उज्वमला योजना में शामिल किया गया है। इन दोनों योजनाओं के लिए 520 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

समिति विक्रेताओं के मानदेय में 3000 की वृद्धि: मंत्री राजपूत ने बताया है कि पैक्स एवं लैम्प्स समिति के विक्रेताओं के मानदेय में 3 हजार रूपये की वृद्धि की जा रही है। इससे 13 हजार से अधिक विक्रेताओं को लाभ मिलेगा। इसके लिये बजट में 71 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

स्मार्ट पीडीएस योजना शुरू करेंगे: बजट में नवीन योजना के रूप में स्मार्ट पीडीएस योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है। योजना में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिये सर्वर को अत्याधुनिक सुविधायुक्त बनाया जायेगा। इसके लिये 10 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। छात्रावासों में रहने वाले अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को रियायती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए बजट में 13 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। उन्हें गेहूँ पर 4 रूपये किलो तथा चावल पर साढ़े पाँच रूपये प्रति किलो सब्सिडी दी जाऐगी। प्रदेश में 1 करोड़ 23 लाख पात्र परिवारों को हर माह 1 रूपये प्रति किलो में आयोडीन/आयरन युक्त डबल फोर्टीफाइड नमक का वितरण कर रहे हैं।

इसके अलावा 33 जिलों के 57 लाख पात्र परिवारों को 1 रूपये प्रति किलो में डबल फोर्टीफाइड युक्त नमक का वितरण की योजना पर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना के तहत बजट में 15 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस व्यवस्था से हम 20 आदिवासी जिलों के 89 विकासखण्डों में 7 लाख 13 हजार परिवारों को मोबाइल वाहन द्वारा राशन का वितरण कर सकेंगे।

एम्स में बाल तंत्रिका विकारों पर व्याख्यान का आयोजन

भोपाल। प्रो. डॉ. अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक, एम्स भोपाल के मार्गदर्शन में, बाल रोग विभाग बच्चों में गंभीर न्यूरोलॉजिकल स्थितियों पर केंद्रित व्याख्यानों की घोषणा करते हुए प्रसन्न है। यह शैक्षिक कार्यक्रम 10 जुलाई को दोपहर 2 बजे से शाम 4:30 बजे तक एम्स भोपाल में अस्पताल भवन परिसर में स्थित स्मार्ट यूनिट के सेमिनार रूम में होगा।

इस सत्र में दो प्रतिष्ठित वक्ता जीएमसी भोपाल के प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज पाल एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम के प्रति दृष्टिकोण पर प्रस्तुति देंगे। डॉ. पाल का एक्यूट इंसेफेलाइटिस के प्रबंधन में व्यापक अनुभव प्रारंभिक निदान, उपचार रणनीतियों और रोगी प्रबंधन में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा। मेदांता अस्पताल इंदौर की प्रमुख बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रचना दुबे मूवमेंट डिसऑर्डर के प्रति दृष्टिकोण पर व्याख्यान देंगी।

स म्पा द की य

बदल रहा है अयोध्या...!

अयोध्या...। भगवान श्रीराम की नगरी। बरसों से यहां मंदिर बनाने का मुद्दा पूरे देश को आंदोलित किए हुए था। आज जब मंदिर बन चुका है, तो एक नया आंदोलन शुरू होता दिख रहा है। यह आंदोलन नहीं, असल में अयोध्या में निवेश कर रामभक्तों से व्यवसाय करने और कड़वा सच यह है कि उन्हें लूटने की होड़ ज्यादा है। हम धर्म के नाम पर धंधा करने लगते हैं तो धर्म एक तरफ रह जाता है, व्यवसाय प्रमुख हो जाता है। और अब अयोध्या में वही हो रहा है।

खबर आई है कि अयोध्या में धंधे की आस लेकर निवेश करने की होड़ अरुणाचल प्रदेश के डिप्टी सीएम से लेकर बृजभूषण शरण सिंह के सांसद पुत्र तक इस होड़ में शामिल दिख रहे हैं। पार्टी लाइन से अलग हटकर तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं का ध्यान इस तरफ है। वहीं, यूपी एसटीएफ के प्रमुख से लेकर अडाणी और लोधा जैसे व्यावसायिक समूह भी यहां इन्वेस्टमेंट में अपना फायदा देख रहे हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 में फैजाबाद सीट से भाजपा की हार के बाद यहां की स्थिति बदलने की आशंका जताई जा रही थी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं दिख रहा है। जनवरी में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद सरकार ने यहां जो पब्लिक प्राइवेट डेवलपमेंट पैकेज शुरू किया है, उसने जमीन को प्रमुख रियल एस्टेट में बदल दिया है। राम मंदिर को सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2019 में अनुमति दी थी। इस फैसले के बाद से लेकर मार्च 2024 तक की जमीन बिक्री का आंकड़ा साफ इस इलाके की स्थिति को दिखाता है।

अयोध्या और आसपास के जिलों गोंडा और बस्ती के कम से कम 25 गांवों में जमीन लेन-देन की संख्या में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। यह मंदिर के 15 किलोमीटर के दायरे में आती है। इनमें से कई सौदे परिवार के सदस्यों या विभिन्न दलों के राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों से करीबी तौर पर जुड़े लोगों के हैं। इंडियन एक्सप्रेस ने इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की है।

भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में बसने की चाहत अरुणाचल प्रदेश के डिप्टी सीएम चौना मीन ने भी दिखाई है। उनके बेटों चौ कान सेंग मीन और आदित्य मीन ने सितंबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच अयोध्या और गोंडा को अलग करने वाली सरयू नदी के पार महेशपुर में जमीन खरीदी है। यह जमीन मंदिर से 8 किलोमीटर दूर है। उन्होंने 3.99 हेक्टेयर जमीन 3.72 करोड़ रुपये में खरीदी है। 25 अप्रैल 2023 को उन्होंने 0.768 हेक्टेयर जमीन 98 लाख रुपये में बेची। आदित्य मीन ने कहा कि हमने पर्यटन विकास के लिए जमीन खरीदी है। हम एक होटल बनाएंगे और कुछ भूनिर्माण भी करेंगे।

कैसरगंज से भाजपा के पूर्व सांसद बृज भूषण सिंह के बेटे और वर्तमान सांसद करण भूषण सिंह नंदिनी इन्फ्रास्ट्रक्चर के मालिक हैं। उन्होंने जनवरी 2023 में मंदिर से 8 किलोमीटर दूर महेशपुर (गोंडा) में 0.97 हेक्टेयर जमीन 1.15 करोड़ रुपये में खरीदी थी। उन्होंने जुलाई 2023 में 635.72 वर्ग मीटर जमीन 60.96 लाख रुपये में बेची। जून 2024 में करण भूषण कैसरगंज के नए भाजपा सांसद चुने गए। बृजभूषण राष्ट्रीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रहे हैं और उन पर महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न और मारपीट का आरोप लगाया गया था। मामला अभी चल रहा है।

और तो और यूपी पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स के प्रमुख एडीजीपी अमिताभ यश भी अयोध्या में इन्वेस्टमेंट करते दिख रहे हैं। उनकी मां गीता सिंह ने फरवरी 2022 से 2 फरवरी 2024 के बीच महेशपुर, दुर्गागंज (गोंडा) और मऊ यदुवंशपुर (अयोध्या) में मंदिर से 8 से 13 किलोमीटर दूर 9.955 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि 4.04 करोड़ रुपये में खरीदी। इनमें से उन्होंने 16 अगस्त 2023 को महेशपुर में 0.505 हेक्टेयर जमीन 20.40 लाख रुपये में बेची। वहीं, यूपी गृह विभाग के सचिव संजीव गुप्ता की पत्नी डॉ. चेतना गुप्ता ने 5 अगस्त 2022 को मंदिर से 14 किलोमीटर दूर बनवीरपुर (अयोध्या) में 253 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 35.92 लाख रुपये में खरीदी, जिसे बाद में उन्होंने बेच दिया।

यूपी शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक अरविंद कुमार पांडेय और उनकी पत्नी ममता ने जून और अगस्त 2023 के बीच मंदिर से 7 किलोमीटर दूर शाहनवाज पुर माझा (अयोध्या) में 1,051 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 64.57 लाख रुपये में खरीदी। रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर महाबल प्रसाद के बेटे अंशुल ने नवंबर 2023 में मंदिर से 7 किलोमीटर दूर शाहनवाज पुर माझा में एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर 0.304 हेक्टेयर कृषि भूमि 24 लाख रुपये में खरीदी। एडिशनल एसपी (अलीगढ़) पलाश बंसल के पिता देशराज बंसल ने अप्रैल 2021 में दिल्ली के ईश्वर बंसल के साथ मिलकर मंदिर से 15 किलोमीटर दूर राजेपुर उपरहार (अयोध्या) में 1781.03 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 67.68 लाख रुपये में खरीदी थी। एसपी (अमेठी) अनूप कुमार सिंह के ससुराल वालों शैलेंद्र सिंह और मंजू सिंह ने मिलकर 21 सितंबर 2023 को मंदिर से 9 किलोमीटर दूर दुर्गागंज (गोंडा) में 4 हेक्टेयर कृषि भूमि 20 लाख रुपये में खरीदी। यूपी के पूर्व डीजीपी यशपाल सिंह ने दिसंबर 2020 से सितंबर 2023 के बीच मंदिर से 14 किलोमीटर दूर बनवीरपुर (अयोध्या) में 0.427 हेक्टेयर कृषि भूमि और 132.7137 वर्ग मीटर आवासीय भूमि 73 लाख रुपये में खरीदी। उनकी पत्नी गीता सिंह बलरामपुर की पूर्व सपा विधायक हैं।

अयोध्या के विकास पर व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की भी नजर है। मुंबई की रियल एस्टेट की दिग्गज कंपनी एचओबीएल की ओर से भी बड़ा इन्वेस्टमेंट हुआ है। जून 2023 और मार्च 2024 के बीच एचओबीएल ने मंदिर से लगभग 12 किलोमीटर दूर सरयू के तट पर तिहुरा माझा में 17.73 हेक्टेयर कृषि भूमि और 12,693 वर्ग मीटर आवासीय भूमि खरीदी। इसमें बिक्री समझौते में सूचीबद्ध 217 वर्ग मीटर शामिल है। कुल खरीद 74.15 करोड़ रुपये की है। बाद में इसी फर्म ने गांव में लगभग 31.24 करोड़ रुपये में 7.54 हेक्टेयर और जमीन खरीदी।

अहमदाबाद की अडाणी ग्रुप भी अयोध्या में इन्वेस्टमेंट करती दिख रही है। पिछले साल 18 सितंबर को कंपनी ने होमक्रेस्ट इंफ्रास्पेस नामक एक सहायक कंपनी बनाई गई। इसने नवंबर और दिसंबर के बीच मंदिर परिसर से लगभग 6 किलोमीटर दूर माझा जामथारा में 1.4 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि खरीदी। खरीद की कुल कीमत 3.55 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कंपनी के एक प्रवक्ता का कहना है कि लेन-देन सभी कानूनों और नियमों के अनुसार किया गया। कंपनी ने भविष्य के विकास के लिए एक निजी पार्टी से जमीन खरीदी है। इसी प्रकार कर्नाटक के व्यक्ति विकास केंद्र ने 9.03 करोड़, दिल्ली की गलगोटिया होटल एंड रिसॉर्ट्स ने 7.57 करोड़, यूपी की द इनोवेटर्स डिजिटल ऐड्स ने 29 करोड़, कर्नाटक की सवार्थिया डेवेलपर्स ने 26.64 करोड़, यूपी की रामाकुलम रीजेंसी एलएलपी ने 7.30 करोड़ की लागत से जमीन के टुकड़े खरीदे हैं। यूपी की श्री रामाजयम एस्पायर ने 5.60 करोड़, त्रिवेणी ट्रस्ट ने 5.91 करोड़, एबीएमएम महेश्वरी फाउंडेशन महाराष्ट्र, भारद्वाज ग्लोबल इन्फ्रावेंचर्स यूपी, अवधसिटी डेवेलपर्स यूपी, जखोदिया मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड छत्तीसगढ़, अवध इंटरप्राइजेज यूपी और अयोध्या सरयू इन्फ्रा एलएलपी तेलंगाना ने भी यहां जमीन में इन्वेस्टमेंट किया है।

कुल मिलाकर देखा जाए तो अयोध्या अब धार्मिक के बजाय बड़ा टूरिस्ट हब बनने जा रहा है और वहां सामान्य लोगों के लिए कुछ सुविधाएं होंगी, कहा नहीं जा सकता। जो पैसा लगा रहे हैं, वो यहां आने वाले रामभक्तों से ही कमाएंगे। तो अब बहुत जल्द अयोध्या एक पर्यटन स्थल और व्यावसायिक हब का रूप ले लेगा। जय सियाराम।

भूजल : आँकड़े डरा रहे हैं...

राकेश दुबे

कल आया यह ताज़ा आंकड़ा डराने वाला है कि उत्तर भारत में भूजल का स्तर 450 घन किलोमीटर तक घट गया है। पिछले दो दशकों में आई यह गिरावट इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में खेती व जीवनयापन के लिए पानी की किल्लत हो सकती है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर में सिविल इंजीनियरिंग और पृथ्वी विज्ञान के 'विक्रम साराभाई चेयर प्रोफेसर' के एक अध्ययन में बताया गया है कि दो दशक में भूजल में आयी यह कमी भारत के सबसे बड़े जलाशय इंदिरा सागर बांध की कुल जल भंडारण मात्रा का 37 गुना है। दरअसल, भूजल में इस कमी की एक बड़ी वजह वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी बारिश में 8.5 प्रतिशत की कमी आना है। इस संकट का दूसरा पहलू यह भी है कि उत्तर भारत में सर्दियों के तापमान में 0.3 सेल्सियस वृद्धि देखी गई है। इस बात की पुष्टि हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भूभौतिकी अनुसंधान संस्थान के शोधार्थियों के एक दल ने की है। मानसून के दौरान कम बारिश होने और सर्दियों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण आने वाले वर्षों में निश्चित रूप से सिंचाई के लिये पानी की मांग में वृद्धि होगी। वहीं पानी की मांग बढ़ने से भूजल पुनर्भरण में भी कमी आएगी। जिसका दबाव पहले से ही भूजल के संकट से जूझ रहे उत्तर भारत के इलाके पर पड़ेगा। हैदराबाद स्थित एनजीआरआई का अध्ययन चेताता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जहां एक ओर मानसून के दौरान बारिश में कमी आएगी, वहीं सर्दियों में अपेक्षाकृत अधिक तापमान रहने से भूजल पुनर्भरण में छह से 12 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। संकट का एक पहलू यह भी है कि हाल के वर्षों में मिट्टी में नमी में

कमी देखी गई है। जिसका निष्कर्ष यह भी है कि आने वाले वर्षों में सिंचाई के लिये पानी की मांग में वृद्धि होगी। निश्चित ही यह स्थिति हमारी खेती और खाद्य श्रृंखला की सुरक्षा के लिये चिंताजनक कही जा सकती है।

वहीं दूसरी ओर शोधार्थियों ने अपने अध्ययन में पाया है कि मानसून के दौरान बारिश के प्रतिशत में गिरावट तथा सर्दियों में तुलनात्मक रूप से मौसम के गर्म होने से फसलों की सिंचाई के लिये अधिक भूजल की जरूरत पड़ेगी। इसकी वजह यह भी है कि सर्दियों में तापमान अधिक होने से खेतों की मिट्टी तुलनात्मक रूप से शुष्क हो जाती है। यह कमी तभी पूरी हो सकती है जब हल्की बारिश की अवधि अधिक हो। देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि भूजल के स्तर को कैसे ऊंचा रखा जा सके। जहां एक ओर वर्षा जल संग्रहण को ग्रामीण व शहरी इलाकों में युद्धस्तर पर शुरू करने की जरूरत है, वहीं अधिक पानी वाली फसलों के चक्र में बदलाव लाने की भी आवश्यकता है। इस संकट के आलोक में खेतिहर वर्ग को मुफ्त बिजली-पानी की राजनीति पर पुनर्विचार की जरूरत भी है। भूजल की सहज व सस्ती उपलब्धता उसके अधिक उपयोग को प्रेरित करती है।

कृषि वैज्ञानिकों को ऐसी फसलों के लिये अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा, जो ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के बावजूद अधिक तापमान व कम पानी में अधिक उपज दे सकें। सरकारों को यह नहीं भूलना चाहिए कि 140 करोड़ लोगों के लिये खाद्यान्न उपलब्ध कराना उनका प्राथमिक दायित्व है। खाद्यान्न के उत्पादन में कमी कालांतर महंगाई का कारण भी बनती है, जिससे जनाक्रोश में भी वृद्धि होगी। नीति-नियंताओं को गंभीरता से सोचना होगा कि पहले ही आर्थिक संकट से जूझ रही खेती को कैसे लाभकारी बनाया जाए।

यदि भूजल का यह संकट भविष्य में और गहराता है तो यह असंतोष का वाहक ही बनेगा। हमें बदलते मौसम के अनुकूल ही अपनी रीतियां-नीतियां बनानी होंगी। साथ ही पूरे देश में पानी के उपयोग के लिये अनुशासन की भी जरूरत होगी। अब चाहे हम नागरिक के रूप में हों, उद्योग व अन्य क्षेत्र में, पानी का किफायती उपयोग आने वाले भूजल संकट से हमारी रक्षा कर सकता है। यह एक गंभीर समस्या है और सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी इस चुनौती से मुकाबले के लिये जरूरी होगी।

किस्सा-ए-IAS-IRS : फ़िल्मी कथानक जैसी 2 बहनों की असली कहानी!

सुरेश तिवारी

हाल ही में उत्तर प्रदेश की आईएएस अधिकारी किंजल सिंह का नाम खूब चर्चा में आया। उन्होंने एक यूट्यूबर के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज करवाई। क्योंकि, इस यूट्यूबर ने अपने ब्लॉग में इस आईएएस के माता-पिता के बारे में कई अनर्गल बातें की, जो गलत थी। अपने माता-पिता के प्रति इस तरह की भावना स्वाभाविक है। किंजल सिंह की जगह कोई और भी होता, तो यही करता। लेकिन, इस आईएएस का उसके माता-पिता से रिश्ता कुछ अलग ही रहा।

उत्तर प्रदेश के बलिया की दो बहनों किंजल और प्रांजल की कहानी किसी फिल्मी कथानक जैसी ही है। किंजल आईएएस है और प्रांजल आईआरएस। लेकिन, उनके लिए यह सफर आसान नहीं था। पिता पुलिस में थे, जिन्हें एक घटना में उन्हीं की टीम के साथियों ने गोली मार दी थी। जब ये घटना हुई किंजल दो साल की थी और प्रांजल तो पेट में ही थी। उसके पिता की हत्या तब कर दी गई, जब मुख्य साजिशकर्ता सरोज को लगा कि एक पुलिस अधिकारी के रूप में उसके कुकर्मों को केपी सिंह उजागर कर सकते हैं। किंजल के पिता ईमानदार पुलिस अफसर थे और भ्रष्टाचार के खिलाफ थे। दोषी पुलिस अधिकारी, जिसके खिलाफ रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के कई मामले लंबित थे उन लोगों ने केपी सिंह को आपराधिक गतिविधियों की निगरानी के बहाने माधवपुर जाने के लिए मजबूर किया। वहां पहुंचने पर, जब केपी सिंह ने दरवाजे पर दस्तक दी, लेकिन वहां कोई नहीं आया, तो वे पीछे हट गए और सरोज की ओर देखने लगे। तभी फिर सरोज ने उनकी छाती पर अचानक कई गोलियां चला दी। इसके बाद केपी सिंह को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। इस फर्जी मुठभेड़ में करीब 12 अन्य ग्रामीणों की भी हत्या कर

दी गई थी।

इसके बाद किंजल की मां की परीक्षा शुरू हुई। उन्होंने भटक कर न्याय की कोशिश की। संघर्ष इतना विकट था कि इसी दौरान मां की भी कैंसर से मौत हो गई। दो अकेली बहनें, पूरी जिंदगी सामने और पिता को न्याय दिलाने की जुगत। लेकिन, धीरे-धीरे सारे रास्ते खुलते गए। मां की मौत के बाद दोनों बहनों ने अपने दम पर पढ़ाई पूरी की। यूपीएससी परीक्षा पास की और सरकारी अफसर बनकर पिता की मौत का बदला लेकर उन्हें न्याय दिलाया। आईएएस किंजल सिंह और आईआरएस प्रांजल सिंह की संघर्ष से भरी दास्तां किसी को भी ऐसी स्थिति से निकलने प्रोत्साहित कर सकती है।

पिता की हत्या ने जीवन बदल दिया

किंजल के पिता केपी सिंह गोंडा के डीएसपी थे। 12 मार्च 1982 को उनके ही साथी पुलिसकर्मियों ने उनकी मुठभेड़ दर्शाकर हत्या कर दी थी। वे सामूहिक झड़प के एक मामले की जांच करने माधवपुर गांव गए थे। उस समय उनकी पत्नी विभा सिंह अपनी दूसरी बेटी के साथ गर्भवती थीं। तब उनकी बड़ी बेटी किंजल सिंह सिर्फ 2 साल की थीं। डिलीवरी के बाद विभा सिंह अपने पति को न्याय दिलाने के लिए पुलिस थानों और कोर्ट के चक्कर काटती रही। मामला चलता रहा। लेकिन, ये अच्छा रहा कि किंजल की मां विभा सिंह को पति की जगह पर वाराणसी के ट्रेजरी ऑफिस में नौकरी मिल गई। मामला सीबीआई को ट्रांसफर किया जा चुका था। विभा सिंह दोनों बेटियों को गोद में लेकर दिल्ली के सीबीआई कोर्ट जाती थीं। उनकी सैलरी का बड़ा हिस्सा ऐसे ही सफर और वकील की फीस में खर्च होने लगा। तभी उन्होंने ठान लिया था कि वे अपनी बेटियों को सरकारी अफसर बनाएंगी।

मां ने भी सफर से पहले ही साथ छोड़ दिया

12वीं के बाद किंजल ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज में दाखिला लिया। पहले सेमेस्टर में ही उन्हें पता चला कि उनकी मां को कैंसर है। जब उनकी मां, विभा सिंह की तबीयत ज्यादा खराब रहने लगी तो किंजल ने उनसे वादा किया कि वह ड्डस अफसर भी बनेंगी और पिता के हत्यारों को सजा दिलाएंगी। 2004 में उनकी मां की इसी कैंसर के कारण मौत हो गई। जिस साल किंजल की मां का निधन हुआ, उसी साल किंजल ने दिल्ली विश्वविद्यालय में टॉप किया था।

दोनों बहनों ने यूपीएससी क्रेक की

इस घटना के बाद किंजल ने छोटी बहन प्रांजल को भी दिल्ली बुला लिया। दोनों बहनों ने पढ़ाई के साथ यूपीएससी परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। उन्होंने ईमानदारी से यूपीएससी परीक्षा की तैयारी पर अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू किया। मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ किंजल 2008 में अपने दूसरे प्रयास में 25वीं रैंक के साथ आईएएस अफसर बन गईं। उसी साल छोटी बहन प्रांजल का चयन 252 वीं रैंक के साथ आईआरएस के लिए गया। सरकारी नौकरी मिलने के बाद दोनों बहनें अपने पिता को न्याय दिलाने में जुट गईं।

31 साल बाद पिता को न्याय दिलाया

इसके बाद किंजल सिंह ने अपना ध्यान पिता को न्याय दिलाने पर केंद्रित कर दिया। दोनों बहनों ने मजबूती से मुकदमा लड़ा। उनके दृढ़ निश्चय ने न्याय प्रणाली को भी हिलाकर रख दिया। आखिरकार 31 साल बाद 5 जून 2013 को लखनऊ सीबीआई की विशेष कोर्ट ने डीएसपी केपी सिंह की हत्या में 18 पुलिसकर्मियों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई, तब किंजल सिंह बहराइच की कलेक्टर थीं। किंजल अभी तक लखीमपुर खीरी और सीतापुर की डीएम रह चुकी हैं। अब उन्हें उत्तर प्रदेश के मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट का डीजी नियुक्त किया गया है। उनके पति अनिल कुमार सागर भी आईएएस हैं और प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, उत्तर प्रदेश सरकार में पदस्थ हैं।

कानून और न्याय : राज्यसभा चुनाव और न्यायालयों के फैसले

विनय झैलावत

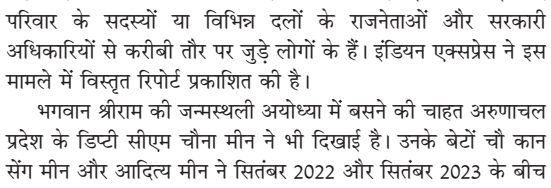

लोकतांत्रिक मूल्य क्रॉस-वोटिंग जवाबदेही के लोकतांत्रिक सिद्धांत के खिलाफ है, जहां प्रतिनिधियों से अपने घटकों के हितों और व्यापक सार्वजनिक भलाई को बनाए रखने की उम्मीद की जाती है। यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर व्यक्तिगत लाभ या दल की राजनीति को प्राथमिकता देता है। क्रॉस-वोटिंग निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच स्वतंत्रता की एक डिग्री का संकेत दे सकती है, जिससे उन्हें सख्त पार्टी लाइनों के बजाय अपनी अंतरात्मा या अपने घटकों के हितों के अनुसार मतदान करने की अनुमति मिलती है। यह अधिक सूक्ष्म निर्णय लेने और प्रतिनिधित्व की ओर ले जा सकता है। जाँच और संतुलन क्रॉस-वोटिंग, यदि राय या विचारधारा में वास्तविक मतभेदों से प्रेरित है, तो विधायी निकाय के भीतर एक पार्टी या गुट के प्रभुत्व पर रोक लगाने का काम कर सकता है। यह शक्ति की एकाग्रता को रोक सकता है और अधिक संतुलन और दृष्टिकोण की विविधता को बढ़ावा दे सकता है। जवाबदेही कुछ मामलों में, क्रॉस-वोटिंग पार्टी नेतृत्व या नीतियों के प्रति असंतोष को दर्शाती है, जिससे पार्टियों को आत्मनिरीक्षण करने और आंतरिक शिकायतों का समाधान करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे अंततः मतदाताओं के प्रति अधिक जवाबदेही और प्रतिक्रियाशीलता पैदा हो सकती है।

इस संबंध में कुलदीप नैयर बनाम भारत संघ, 2006 प्रकरण उल्लेखनीय है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यसभा चुनावों के लिए खुले मतपत्र की प्रणाली को बरकरार रखा। यह कहा गया कि यदि गोपनीयता भ्रष्टाचार का स्त्रोत बन जाती है, तो पारदर्शिता में इसे हटाने की क्षमता है। हालांकि, इसी मामले में अदालत ने कहा कि किसी राजनीतिक दल के निर्वाचित विधायक को अपने पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ मतदान करने के लिए दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता का सामना नहीं करना पड़ेगा। वह सबसे अधिक अपने राजनीतिक दल से अनुशासनात्मक कार्रवाई को आकर्षित कर सकता है। रवि एस. नाइक और संजय बांदेकर बनाम भारत संघ, 1994 प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि दसवीं अनुसूची के तहत स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ना केवल उस पार्टी से औपचारिक रूप से इस्तीफा देने का पर्याय नहीं है जिससे सदस्य संबंधित है।

सदन के अंदर और बाहर किसी सदस्य के आचरण को यह अनुमान लगाने के लिए देखा जा सकता है कि क्या यह स्वेच्छा से सदस्यता छोड़ने के रूप में योग्य है। प्रत्यक्ष चुनाव की जीवंतता के बिना, राज्यसभा चुनाव आमतौर पर निराशाजनक होते हैं। कोई बड़ी राजनीतिक रैलियाँ या बड़ी मतदाता सभाएँ नहीं हैं। इन चुनावों में मतदाता राज्य विधानसभाओं के सदस्य हैं। अक्सर, कोई मुकाबला नहीं होता है और विधायकों को राज्यसभा सदस्य चुनने के लिए अपना वोट भी नहीं डालना पड़ता है। उदाहरण के लिए, चुनावों के नवीनतम दौर में 41 सीटों पर कोई मुकाबला नहीं था। जिन 15 सीटों पर चुनाव हुए थे, उम्मीदवारों ने दोपहर के भोजन, रात्रिभोज और अंतरंग बातचीत पर प्रचार किया। और हर दो साल की तरह, राज्यसभा चुनाव तब समाचार बन जाते हैं जब कोई राजनीतिक व्यक्तित्व/दल हार जाता है जो संख्यात्मक रूप से जीतने योग्य चुनाव प्रतीत होता है। इस बार हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन चुनाव हार गए। हार संबंधित पार्टी के विधायकों द्वारा क्रॉस-वोटिंग के कारण हुई थी।

राज्यसभा एक स्थायी सदन है और इसके सदस्यों का कार्यकाल छह साल का होता है। इसके एक तिहाई सदस्य हर दो साल में सेवानिवृत्त होते हैं, जिसके लिए खाली सीटों को भरने के लिए चुनाव की आवश्यकता होती है। पिछले 60 वर्षों से इन चुनावों में धन, बाहुबल और क्रॉस-वोटिंग के आरोप लगे हुए हैं। लेकिन इससे पहले कि हम राज्यसभा चुनावों के इतिहास में जाएं, आइए देखें कि ऊपरी सदन में सबसे पहले सीट कैसे भरी गईं। 1951 के आम चुनावों में पहली लोकसभा के लिए सांसद और राज्य विधानसभाओं के लिए विधायक चुने गए। निर्वाचन आयोग ने ये चुनाव मार्च 1952 में कराए थे और राज्यसभा का गठन 3 अप्रैल 1952 को किया गया था। विधायकों ने राज्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए 204 सांसदों को चुनने के लिए मतदान किया और 12 को राष्ट्रपति द्वारा नामित किया गया। संविधान में यह भी कहा गया है कि ऊपरी सदन के एक तिहाई सांसदों को हर दो साल में सेवानिवृत्त होना चाहिए।

इसने यह तय करने में एक समस्या प्रस्तुत की कि 1958 तक कार्यालय में नवनिर्वाचित सांसदों में से किसके कार्यकाल में कटौती की जाएगी। इसका समाधान यह था कि प्रत्येक राज्य के राज्यसभा सांसदों को तीन समान समूहों में बांटा जाए। पहले समूह का पूरा छह साल का कार्यकाल 2 अप्रैल, 1958 को समाप्त होगा। दूसरा समूह चार साल तक सेवा करेगा और अंतिम समूह दो साल के लिए सांसद होगा। यह समूह नामित सांसदों पर भी लागू था। राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने आवश्यक आदेश दिया और चुनाव आयोग ने 29 नवंबर, 1952 को दिल्ली में अपने कार्यालय में लॉट का एक सार्वजनिक ड्रा आयोजित किया। लॉट के ड्रॉ ने दिलचस्प परिणाम दिए। उदाहरण के लिए, डॉ. नीलम संजीव रेड्डी (मद्रास से), श्री लाल बहादुर शास्त्री (उत्तर प्रदेश से) और पृथ्वीराज कपूर (मनोनीत सांसद) ने खुद को दो साल के समूह में पाया। लेकिन एक समझ थी कि दो साल की बाल्टी में खुद को पाने वाले कई लोग पूरे साल के कार्यकाल के साथ ऊपरी सदन में वापस आएंगे। शास्त्री और कपूर वापस आ गए और 1960 तक राज्यसभा में सेवा की।

राज्यसभा चुनाव ने पहले दस वर्षों में ज्यादा विवाद नहीं हुए। कभी-कभी व्यापारियों द्वारा विधायक बनने के लिए ऊपरी सदन के रास्ते का उपयोग करने की गड़गड़ाहट होती थी, लेकिन इससे ज्यादा कुछ नहीं। अपने विधायकों पर कांग्रेस पार्टी की पकड़ का मतलब था कि शायद ही कोई चुनावी उथल-पुथल हुई हो। लेकिन 1964 में यह बदल गया। उस वर्ष, निर्वाचन आयोग ने बिहार से उच्च सदन की सीटों को भरने के लिए चुनाव कराए। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में से एक कांग्रेस पार्टी के मौजूदा सांसद शील भद्रा याजी थे। याजी ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया था और कई साल जेल में बिताए थे। आठ रिक्त सीटों के लिए कांग्रेस के छह और पांच अन्य उम्मीदवार थे। गैर-कांग्रेसी दावेदारों में से एक निर्दलीय उम्मीदवार, व्यवसायी राजेंद्र प्रसाद जैन थे। कांग्रेस की अपने विधायकों पर पकड़ कम होने के साथ, उसके कुछ विधायकों ने जैन के पक्ष में क्रॉस-वोट किया, जिन्होंने चुनाव जीता।

चुनाव हारने वाले को उनके शुभचिंतकों ने सूचित किया कि जैन ने कुछ विधायकों को रिश्वत दी है। उन्होंने न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाते हुए तर्क दिया कि अदालत को भ्रष्ट प्रथाओं में लिप्त होने के लिए जैन के चुनाव को रद्द कर देना चाहिए। याचिकाकर्ता ने साबित कर दिया कि व्यवसायी ने कांग्रेस के दो विधायकों को रिश्वत की पेशकश की थी। जैन ने क्रॉस-वोटिंग करने वाले विधायकों में से एक से कहा था, ''आपके चुनाव में, बहुत पैसा खर्च होता है और इसलिए, मुझसे कुछ पैसे लें और अपनी पहली पसंद का वोट मेरे पक्ष में डालें।'' याचिकाकर्ता ने मामले को दृढ़ता से आगे बढ़ाया, जब तक कि सन् 1967 में सर्वोच्च न्यायालय ने जैन की कानूनी चुनौती समाप्त नहीं कर दी। इसने उनके चुनाव को अमान्य घोषित कर दिया। जैन का चुनाव उन पहले मामलों में से एक था जहां एक चुनाव न्यायाधिकरण ने भ्रष्ट प्रथाओं के लिए ऊपरी सदन के चुनाव को अमान्य घोषित कर दिया था। अब तक केवल मीडिया में जो अटकलें लगाई जा रही थीं और संसद में निजी चर्चा का विषय आम जानकारी बन गया था।

याजी राज्यसभा के लिए फिर से चुने जाएंगे। तीन साल बाद, सन् 1970 में, राज्यसभा चुनावों में व्यापक क्रॉस-वोटिंग हुई। इसमें 80 से अधिक राज्यसभा सांसद ऊपरी सदन के चुनावों में धन शक्ति और संसदीय लोकतंत्र के कामकाज और संरक्षण पर इसके प्रभाव पर बहस की मांग करी गई। याजी, कृष्णकांत, लाल कृष्ण आडवाणी और प्रणब मुखर्जी जैसे सांसदों के साथ चर्चा में भाग ली गई। आडवाणी ने सोचा कि ऊपरी सदन के चुनावों में क्रॉस-वोटिंग को रोकने का एकमात्र तरीका राजनीतिक दलों में अधिक अनुशासन के माध्यम से था जिस पर काम करते हुए, जिस पर काम करते हुए एंटी डिफेक्शन लॉ इत्यादि का उपयोग किया गया था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सभी अधिकारी-कर्मचारी समय पर कार्यालय आएं : कलेक्टर

हरदा/ कलेक्टर आदित्य सिंह ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि सभी जिलाधिकारी अपने अधीनस्थ कार्यालयों का नियमित निरीक्षण कर सुनिश्चित करें कि अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित हों और कार्यालयीन समय के बाद ही कार्यालय छोड़ें। उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी व जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश दिये कि वे अपने-अपने क्षेत्र के शासकीय स्कूलों का नियमित रूप से निरीक्षण करें और शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज समस्याओं के निराकरण के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिये कि आवेदक से चर्चा कर शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण किया जाए।

ग्रीन इंडियन आर्मी ने वन महोत्सव के समापन पर किया पौधरोपण

सोहागपुर रेवाबनखेड़ी रोड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में ग्रीन इंडियन आर्मी के तत्वावधान में पौधरोपण किया गया। पौधारोपण ज्ञानी सुरजीत सिंह, पंडित प्रकाश मुदगल जी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेल,पार्षद जमील खान, भाजपा नेता विशाल गोलनी,पूर्व सैनिक नीलम पटेल,प्रियांशु धारसे,चुन्नी लाल मुग्दल ,लक्ष्मी कुशवाहा ,जगदीश नामदेव आदि के आतिथ्य में संपन्न हुआ। ग्रीन इंडियन आर्मी के संयोजक प्रियांशु धार से ने बताया कि वन महोत्सव को ध्यान में रखते हुए निरंतर पौधारोपण किया गया है। आपने आगे कहा कि व्यक्तिगत पारिवारिक स्तर पर पौधे लगाने की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। तभी जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियां मानव जाति के अनुकूल होंगी। हमारे पूर्वजों ने हमें कितना शुद्ध और स्वच्छ वातावरण दिया था। इसी क्रम को बनाए रखने का आव्हान किया गया। ताकि आने वाली पीढ़ियों को निर्मल स्वच्छ प्राणवायु मिलती रहे। मानव जाति के लिए वृक्षों का होना अत्यंत आवश्यक है। ÷वृक्ष ना होंगे तो धरती पर मानव जीवन ही मिट जाएगा । इस कारण अधिक से अधिक वृक्ष लगाए और जीवन बचाए।

झूठ और भ्रम बेचकर लोगों को फंसाने में माहिर है भाजपा: कांग्रेस

सिवनी- भाजपा झूठ और भ्रम फैलाने में माहिर हो गई है, हर बात में झूठी खबर प्रकाशित करने में इनका कोई जवाब नही है। सिवनी मेडिकल कॉलेज की मान्यता को लेकर बड़े ही जोश खरोश के साथ भाजपा द्वारा विज्ञप्ति जारी की गई है कि सिवनी मेडिकल कॉलेज को एनएमसी से मान्यता प्राप्त हो गई है, यह सरासर झूठ है। सच खबर 9 जुलाई 2024 को भोपाल के प्रादेशिक अखबार ने छापा है उन्होंने स्पष्ट लिखा है कि प्रदेश में इसी सत्र से 3 नये मेडिकल कॉलेज सिवनी, इंदौर और नीमच खोले जाने थे, इसके लिए बजट की राशि भी आवंटित कर दी गई। इसी बीच नेशनल मेडिकल कौंसिल (एनएमसी) ने इन तीनों मेडिकल कॉलेजो को 450 सीटो पर मान्यता देने से इंकार कर दिया है। दरअसल जून में इन तीनों मेडिकल कॉलेज, जिसमें सिवनी भी शामिल है का निरीक्षण करने एनएमसी की टीम यहॉ आई थी, तीनों मेडिकल कॉलेज में 114 फैकल्टी की जरूरत थी, लेकिन मौके पर एनएमसी को महज 30 से 35 फैकल्टी ही मिली थी। तीनों जिले में निरीक्षण के बाद टीम ने पाया कि यहॉ मेडिकल कॉलेज के हिसाब से पर्याप्त फैकल्टी नहीं है, इस कारण इन मेडिकल कॉलेजो की मान्यता को लेकर असमंजस्य की स्थिति बन गई है यह स्पष्ट हो गया है कि सिवनी मेडिकल कॉलेज को अभी एनएमसी की मान्यता प्राप्त नही हुई है। एनएमसी द्वारा सिवनी मेडिकल कॉलेज को मान्यता नही दी जाने पर अपील भी की गई है।

भाजपा द्वारा जो विज्ञप्ति जारी की गई है सरासर झूठ है सिवनी के लोगो को गुमराह करने वाली है। विज्ञप्ति में कांग्रेस को सिवनी के विकास में रोक लगाने वाला बताया गया है यहॉ यह स्पष्ट करना आवश्यक होगा कि सिवनी मेडिकल कॉलेज में अभी तक अस्पताल की बिल्डिंग का कार्य प्रारंभ नही हुआ है। इसका प्रमुख कारण बजट की कमी बताया गया है। वर्तमान में सिवनी मेडिकल कॉलेज इंदिरा गांधी चिकित्सालय का उपयोग कर रहा है, यह बिल्डिंग कॉग्रेस और जन नेत्री सुश्री विमला वर्मा जी की दूरदर्शिता का परिणाम था कि आज सिवनी मेडिकल कॉलेज के लिए भी जिला चिकित्सालय लोगो को निरंतर अपनी सेवाएं दे रहा है। विज्ञप्ति में फोर लेन पर रोक लगाने की बात कही गई है फोर लेन का कार्य 2007 में बंद किया गया था राज्य और केन्द्र में भाजपा की सत्ता रहते हुये फोर लेन प्रारंभ करने में 14 वर्षो क्यों लगे? इसका जवाब भारतीय जनता पार्टी के पास नही है।

सिवनी मेडिकल कॉलेज के लिए डीन के साथ-साथ 30 से अधिक डाक्टरों का भी चयन किया गया है जो कि मेडिकल कॉलेज में अपनी सेवाएँ देंगे, जब तक मेडिकल कॉलेज में शिक्षा प्रारंभ नही हो जाती जब तक वह डाक्टर इंदिरा गांधी जिला चिकित्सालय में अपनी सेवाएं दे। भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि और नेताओं से निवेदन है कि इंदिरा गांधी चिकित्सालय में प्रमुख जांच उपकरण एमआरआई, सीटी स्केन, इंडोस्कोपी, सोनोग्राफी, आधुनिक एक्सरे मशीन, आपरेशन मे लगने वाले उपकरण, दवाएं उपलब्ध कराने का कष्ट करें, ताकि हमारे जिले के लोगो को इलाज के नाम पर अन्य प्रदेश जाकर बहुत अधिक पैसा खर्च करते है उससे हमारे जिले वासियों को राहत मिले।

पेड़ से टकराई कार; 5 दोस्तों की मौत, 2 गंभीर:रोड से उतरी टवेरा, ऊपरी हिस्सा डाल से रगड़ा; 6 घायल, सभी के सिर में चोट

नर्मदापुरम में टवेरा कार सड़क से उतरकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में 11 युवकों को चोट आई। पिपरिया अस्पताल लाते-लाते 5 युवकों ने दम तोड़ दिया। 6 युवक घायल हैं, जिन्हें रात में ही नर्मदापुरम के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में इनमें से 5 को प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि सभी शादी में साड़िया गए थे। वहां से वापस पिपरिया लौटते समय हादसा हुआ। कार का ऊपरी हिस्सा पेड़ की डाल से रगड़ता हुआ निकला। इस वजह से सभी के सिरों में चोट आई है। घटना मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात 1.30 बजे पिपरिया में साड़िया रोड पर हुई।

मृतकों में तीन नरसिंहपुर के, दो नर्मदापुरम जिले के हैं। सभी दोस्त हैं और एक दोस्त की चाचा की शादी से लौट रहे थे। पिपरिया सिटी थाने के एसआई एमएस बट्टी ने बताया कि घायलों को गाड़ी के कांच तोड़कर बाहर निकाला गया। पुलिस मौके पर है। मामले की जांच की जा रही है।

घायलों में 2 की हालत गंभीर, 1 वेंटिलेटर पर

5 घायल नर्मदापुरम के प्राइवेट नर्मदा अपना अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टर ऋत्विक यादव ने बताया कि करेली निवासी आयुष शर्मा (23) वेंटिलेटर पर है। पिपरिया निवासी ऋषभ चौरसिया भी ऑक्सीजन सपोर्ट पर है। पिपरिया के ही आदर्श चौरसिया (24) व हर्षित विश्वकर्मा (24) और मयंक सोनी (19) निवासी करेली का इलाज चल रहा है। पिपरिया निवासी दीपेश साहू (22) जिला अस्पताल में भर्ती है।

सामने से कार आने पर हुआ हादसा

पिपरिया निवासी घायल आदर्श चौरसिया का कहना है, %साड़िया में रिश्ते के चाचा नीरज चौरसिया की शादी थी। वहां से ही पिपरिया लौट रहे थे। गाड़ी आयुष शर्मा चला रहा था। मैं पीछे बैठा हुआ था। हमारी गाड़ी नॉर्मल स्पीड में थी। सामने अचानक से कार आ गई। आयुष कंट्रोल नहीं कर पाया और टवेरा खेत में घुस गई।%

ये हुए घायल

आयुष शर्मा (25), करेली (नरसिंहपुर)
मयंक सोनी (19), करेली (नरसिंहपुर)
ऋषभ चौरसिया (22), पिपरिया (नर्मदापुरम)
दिनेश साहू (22), पिपरिया (नर्मदापुरम)
हर्षित विश्वकर्मा (21) (नर्मदापुरम)
आदर्श चौरसिया, पिपरिया (नर्मदापुरम)
इनकी गई जान
मयंक चौरसिया (22), पिपरिया (नर्मदापुरम)
अमन मालवीय (21), पिपरिया (नर्मदापुरम)
शोभित राजपूत (20), पिपरिया (नर्मदापुरम)
श्रेयांश जैन (23) बरमान (नरसिंहपुर)
प्रदुम्न अग्रवाल (26), करेली (नरसिंहपुर)

नगरपालिका द्वारा आयोजित प्लॉग रन, रन फॉर स्वच्छ छतरपुर अभियान

नपा अध्यक्ष और सीएमओ ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

छतरपुर। नगरपालिका छतरपुर द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 एवं सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ और जीरो वेस्ट अभियान के अंतर्गत 'प्लाग रन रन फॉर स्वच्छ छतरपुर' अभियान मगंलवार को नगरपालिका छतरपुर अध्यक्ष श्रीमती ज्योति चौरसिया और सीएमओ सुश्री माधुरी शर्मा ने हरी झंडी दिखाई। इस दौरान नपा सीएमओ सुश्री माधुरी शर्मा ने कहा कि अपने घरों के आसपास की साफ सफाई रखे। प्लॉगिंग' या 'प्लॉग रन' एक अनूठी गतिविधि है जो शहर को कूड़ा-मुक्त बनाने बनाने के लिए फिटनेस और स्वच्छता को जोड़ती है। जीरो वेस्ट की थीम पर प्लास्टिक कचरे में कमी लाने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसमें प्रतिभागी स्वच्छता और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए दौड़ने (जॉगिंग) के दौरान कूड़े को भी इकट्ठा करते हैं। स्वच्छता नोडल

अधिकारी नितेश चौरसिया ने कहा कि प्लाग रन (जॉगिंग) करते समय अपने आसपास का कचरा उठाना है।

जीरो वेस्ट इवेंट - नपा जीरो वेस्ट की थीम पर प्लास्टिक कचरे में कमी लाने के लिए कर रही पहल प्लॉग रन कार्यक्रम का आयोजन जीरो वेस्ट इवेंट के तहत किया गया व नागरिकों को भी जीरो वेस्ट कार्यक्रम आयोजित करने हेतु जागरूक किया गया।

इस दौरान नेहरू युवा केंद्र उपनिदेशक अरविंद सिंह यादव, ब्रांड एंबेसडर एडवोकेट अरविंद शर्मा, विपिन अवस्थी, पार्षद सुनील वर्मा, स्वच्छता निरीक्षक संजेश नायक, देव पचौरी, विद्या पटैरिया, केएन शर्मा, प्रभा वैद्य, नीलम तिवारी, प्रीति पाण्डेय, क्षिपा तिवारी, प्रदीप सेन, गणमान्य नागरिक एवं कर्मचारी सहित एनसीसी छात्र उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर रोड पर समाज सेवियों ने सडक के दोनों ओर सफाई के बाद उठाया कचरा

नगर पालिका परिषद नौगांव की मुख्य नगर पालिका अधिकारी नीतू सिंह ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत सरस्वती शिशु मंदिर रोड पर शून्य अपशिष्ट सफाई कायर्क्रम का आयोजन किया। स्वच्छता ब्रांड एम्बेस्डर एवं पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी डी.डी तिवारी ने प्लॉग रन का नेतृत्व किया। पूर्व एसडीएम के.एल.अहिरवार ने वार्ड के लोगो को सडक के किनारे कचरा न फेंकने के लिए जागरूक किया पूर्व प्राचार्य डॉ.एल.एन रावत ने सूखा एवं गीला कचरा अलग अलग देने एवं नगर पालिका के वाहन में डालने का अनुरोध किया। शिल्पी राय ने महिलाओ को अपने घरो में सूखे एवं गीले कचरे के लिए दो अलग अलग डस्टिबन रखने की समझाइश दी। अजय सिंह चंदेल ने नगर पालिका के सफाई श्रमदान कार्यक्रमों में जुडने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी सुनील यादव एवं बाजार संघ के नीलेन्द्र अग्रवाल ने सडक किनारे का कचरा बोरी एवं थैले में बीन कर डालने कार्यक्रम में सहभागिता की इस अवसर पर प्रेमचन्द्र मिश्रा, रमेश तिवारी,राजकुमार मिश्रा, सोनम गुप्ता, कामिनी कौशिक, मंगल सिंह, पारस प्रभात, हेमंत रिछरिया ने सफाई श्रमदान कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर एक ट्रॉली कचरा श्रमदान के माध्यम से एकत्रित किया गया। प्लॉग रन का समापन नगर पालिका कार्यालय में किया गया।

जिला लोधी क्षत्रिय समाज की बैठक लोधी भवन दमोह में हुई संपन्न

16 अगस्त वीरांगना रानी अवंती बाई जन्म जयंती समारोह भव्य कार्यक्रम करने तैयारियां शुरू

दमोह/जिला लोधी क्षत्रिय समाज दमोह के तवधान में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी सामुदायिक भवन दमोह में आगामी दिनांक 16 अगस्त वीरांगना रानी अवंती बाई जन्म जयंती समारोह को भव्य एवम दिव्य मनाए जाने के संबंध में बैठक आयोजित की गई जिसमे सर्व प्रथम वीरांगना रानी अवंती बाई जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवम दीपप्रज्वल कर बैठक की शुरुआत की गई ,जिसमे बैठक की अध्यक्षता दादा उमराव सिंह जी खमरिया एवम दादा श्री भाव सिंह जी पूर्व शिक्षक नोहटा के द्वारा की गई, जिसमे 16 अगस्त को जटाशंकर धाम दमोह में मूर्ति स्थल पर भव्य कार्यक्रम करने समाज के सभी लोगो से सुझाव मांगे गए जिसमे सभी ने अपने अपने विचार रख कर सुझाव दिए एवम तत्पश्चात सभी की सर्वसम्मति से धर्मेंद्र सिंह लोधी राज्य मंत्री के भाई सतेंद्र सिंह लोधी नोहटा को कार्यक्रम संयोजक बनाया गया तथा पांच

सदस्यीय समिति गठित की गई जो की कार्यक्रम की रूपरेखा बनाएगी जिसमे सह.संयोजक राजकुमार सिंह, नारायण सिंह आलोक संघ अध्यक्ष दयालु ठाकुर युवा अध्यक्ष , दृगपाल सिंह लोधी जिला पंचायत सदस्य महाराज सिंह पूर्व सरपंच बीजाडोंगरी को नियुक्त किया गया सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी तथा अगली बैठक आगामी रूपरेखा तैयार करने दिनांक 21जुलाई रविवार को आयोजित की गई, है ,जिसमे कार्यक्रम संयोजक सतेंद्र सिंह ने बड़ी संख्या में जिले की लोगो से उपस्थित होने की अपील की कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जिले के लोगो युवाओं की उपस्थिति रही ।

विधायक ने मुख्यमंत्री की जनसभा व रोड-शो मे की शिरकत

सिवनी। को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री की जनसभा एवं रोड शो मे शिर्कत किया। विधायक दिनेश राय ने अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बटका खापा हर्रई मे भाजपा प्रत्याशी कमलेश प्रताप शाह के समर्थन मे आयोजित प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की जनसभा मे शिर्कत कर केबिनेट मंत्री संपतिया उईके, राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार, सांसद विवेक कुमार साहू के साथ फूलमालाओं से स्वागत किया। इसके पश्चात विधायक दिनेश राय मुनमुन अमरवाड़ा मे आयोजित रोड शो सम्मिलित हुए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या मे आमजनों की उपस्थिति रही।

नाम सरनेम परिवर्तन

सर्व धारण को सूचित किया जाता है कि में ममता यादव पति वीरेंद्र यादव पिता श्री प्रेम नारायण यादव निवासी छोटे वोट क्लब पुराना मछली घर जहांगीराबाद में निवास करती हूं ।मेरे द्वारा पंजाब नेशनल मल्टी लाइव इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की एक पॉलिसी ली गईथी। जिसका प्रीमियम 29551/ रुपए साल का आता है। मेरी पॉलिसी का एप्लीकेशन नंबर 21725844 है पॉलिसी लेते समय त्रुटि वर्ष मेरा नाम ममता यादव है की जगह ममता वर्मा पिता का नाम प्रेम नारायण यादव है जिनकी जगह लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी हो गया है पॉलिसी में त्रुटि होने के पश्चात मेरे आधार कार्ड और सभी डॉक्यूमेंट में ममता यादव दर्ज है। पंजाब नेशनल मल्टी लाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की पॉलिसी में ममता वर्मा की जगह ममता यादव किया जाए जिससे भविष्य में मुझे पॉलिसी पूर्ण होने के उपरांत पूर्ण राशि मिल सके। यह जानकारी में ममता यादव पति वीरेंद्र यादव द्वारा सूचना हेतु अखबार में प्रकाशित करवा रही हु। यदि इसमें कोई भी गलती पाई जाती है उसकी पूर्ण जवाबदारी मेरी रहेगी।

अतिक्रमण और धर्मांतरण का आरोप भाजपा नेताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम//सर्व हिंदू समाज के आह्वान पर मंगलवार को भाजपा के पदाधिकारियों ने केसला थाना के सामने प्रशासन के कथित भेदभाव पूर्ण रवैये के खिलाफ धरना प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा, बताया जा रहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में भोले भाले आदिवासियों को जबरदस्ती धर्मांतरण कराया जा रहा है भाजपा ने जिसका विरोध किया। आंदोलनकारी भाजपा पदाधिकारियों की मांग है कि केसला विकासखंड के ग्राम सुखतवा और केसला में एक समुदाय विशेष के आवासों के वैधानिक दस्तावेजों की जांच एवं सत्यापन अविलंब किया जाए। केसला विकासखंड के ग्राम सुखतवा एवं केसला में उक्त समुदाय को शासन अथवा पंचायत द्वारा आवंटित आवासीय पट्टों की जांच करते हुए उनकी पात्रता की जांच की जाए। उक्त पट्टे तत्काल निरस्त किए जाएं, इस समुदाय के बीपीएल कार्डों की वैधानिक जांच की जाए।

केसला विकासखंड में सड़कों के किनारे और सुखतवा में संचालित मीट की अवैध दुकानें तत्काल हटाई जाएं। केसला थाने के अंतर्गत निवासरत उक्त समुदाय के असामाजिक तत्वों के पुलिस रिकार्ड के आधार पर इनके विरुद्ध कठोर एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाई अविलंब की जाए। ग्राम केसला, सुखतवा, भरगदा एवं अन्य स्थानों पर समुदाय विशेष द्वारा अतिक्रमण की गई शासकीय भूमि एवं संपत्ति को अविलंब अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। भाजपा नेता शैलेंद्र दीक्षित ने बताया कि केसला ब्लॉक में समुदाय विशेष के लोगों द्वारा धर्मांतरण कराने,सरकारी जमीनों के साथ आदिवासियों की जमीनों पर अवैध कब्जा, गुंडागर्दी करने के बढ़ते मामलों को देखते हुये सर्व हिन्दू समाज एवं भाजपा सगठन द्वारा केसला थाने में धरना दिया गया।भाजपा संगठन पदाधिकारियों ने प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाये। मंच से भाजपा संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि केसला को पाकिस्तान नही बनने देंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत टिकरिया

जनपद पंचायत मंडला जिला मंडला म.प्र.

ग्राम पंचायत टिकरिया जनपद पंचायत मंडला द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसरचना योजना अंतर्गत सास्कृतिक भवन निर्माण कार्य में लगने वाली रेत, गिट्टी, ईट लोहा (सरिया) सीमेंट, मुरम, मिक्चर मशीन, सेट्रिग, बाईब्रेटर, खिडकी, दरवाजा, वेटीलेशन एवं अन्य सामग्री आदि का जी.एस.टी. बिल वाले सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निर्धारित सामग्री दर के अनुसार निविदा आमंत्रण दिनांक से पांच दिवस के अंदर कार्यालीन समय पर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

टीपः- ग्राम कंटगी के लिए सास्कृतिक भवन

सरपंच
ग्राम पंचायत टिकरिया
जन.पचा. मंडला

सचिव
ग्राम पंचायत टिकरिया
जन.पचा. मंडला

औबेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन की दशा खराब, दो नंबर प्लेटफार्म पर यात्रियों को नहीं मिल रहा पीने का पानी

ओबैदुल्लागंज रेलवे स्टेशन के हाल बेहाल मध्य प्रदेश सहित भारत के रेलवे स्टेशनो को सुंदर स्वच्छ बनाने में रेलवे विभाग सक्रिय है वही डीआरएम दफ्तर भोपाल से मात्र 30 किलोमीटर दूर ओबेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन पर ओवर ब्रिज जर्जर हो गया वहीं प्लेटफार्म नंबर एक पर गंदगी ही गंदगी है फर्शी उखड़ गई है चारों तरफ घास- फूस उग गए हैं प्लेटफार्म नंबर 2 की हालत भी एक नंबर जैसी है औबेदुल्लागंज प्लेटफार्म नंबर 2 रेलवे स्टेशन पर पीने का पानी तलाश करना पड़ता है पुरानी प्रतीक्षालय में आवारा कुत्तों का डेरा बन गया है वहीं नगर के बुजुर्ग जय नारायण चौहान रिटायर रेंजर मालवीय शिव नारायण श्रीवास्तव सहित कई बुजुर्ग और महिलाएं औबेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन पर घूमने आते हैं क्योंकि ओबैदुल्लागंज में एकमात्र जगह है रेलवे स्टेशन जहां अधिकतर लोग घूमते हैं वहीं मनोज चौरसिया एवं नीरज चावला ने बताया कि रेलवे बाउंड्री में पार्क है मगर उसमें ताला डला रहता है पार्क में बच्चे तक नहीं जा सकते पार्क में देख-रेख कम होती है व्यापार संरक्षक अशोक मित्तल, सुरजीत सिंह बिल्ले, व्यापार संघ के गिरीश चावला, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष राजेश खटीक, बल्लू अरोरा, आदि का कहना है की ओबेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन सबसे पुराना अंग्रेजों के समय का है वही 250 ग्रामों से संपर्क है विश्व के पर्यटक स्थल भीमबेटिका 8 किलोमीटर है तो भोजपुर 14 किलोमीटर सलकनपुर 35 किलोमीटर है इसीलिए औबेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन का महत्व बहुत है फिर यहां के सांसद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान है विधायक सुरेंद्र पटवा है इन नेताओं को ओवेदुल्लागंज रेलवे स्टेशन को सुंदर स्वच्छ बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए नगर वासियों ने ओबेदुल्लागंज को पर्यटक रेलवे स्टेशन बनाने की मांग की है

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड भोपाल

D.No. 4100/ 25.06.2024

इश्तेहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सदीन खां मंसूरी आ. छोटे खां निवासी-ग्राम इमलिया नरेन्द्र तहसील बेरसिया जिला भोपाल द्वारा मस्जिद अब्दुल रहीम ग्राम इमलिया नरेन्द्र तहसील बेरसिया जिला भोपाल खसरा क्रं. 83/1/2/1/1 (S) रकबा 0.1360 हैक्टेयर में से 30×30=900 वर्ग फिट के पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसके पंजीयन की कार्यवाही कार्यालय वक्फ बोर्ड में चल रही है।

अतः इस संबंध मे किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति मय दस्तावेजों साक्ष्य के साथ कार्यालय म.प्र. वक्फ बोर्ड भोपाल में प्रस्तुत करें। निर्धारित उक्त अवधि के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा मस्जिद अब्दुल रहीम ग्राम इमलिया नरेन्द्र तहसील बेरसिया जिला भोपाल खसरा क्रं. 83/1/2/1/1 (S) रकबा 0.1360 हैक्टेयर में से 30×30=900 वर्ग फिट का पंजीयन कर लिया जायेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
म.प्र. वक्फ बोर्ड भोपाल

सोशल मीडिया से

पीले पत्ते और हमारे बुजुर्ग

पौधों की टहनियों पर लगे पीले पत्ते
मत तोड़ो तुम.... !
चंद रोज में....
खुद ब खुद झड़ जाएंगे।
बैठा करो....,
कुछ तो अपने बुजुर्गों के पास तुम,
एक दिन खुद ही ये चुप हो जाएंगे।
खर्चने दो.....
उन्हें बेहिसाब तुम यारों !
एक दिन.....,
सब तुम्हारे लिए छोड़ जाएंगे।
मत टोको, मत रोको उनको बार बार
बात दुहराने पर.....,
एक दिन हमेशा के लिए वे ख़ामोश हो जायेंगे।
इनका आशीर्वाद सर पर ले लिया करो तुम ,
वर्ना फ़िर ये तस्वीरों में ही नज़र आयेंगे।
खिला दो उनको कुछ उनकी ही पसंद का.... ,
वरना फिर श्राद्ध में भी देखना वे खाने नहीं आयेंगे।
पौधों की टहनियों पर लगे पीले पत्ते...
मत तोड़ो तुम.....।
चंद रोज मे.....
खुद ब खुद झड़ जायेंगे।

रुशिल डेकोर लिमिटेड बोर्ड ने 1:10 रेशो में स्टॉक स्प्लिट (विभाजन) के लिए 09 अगस्त को रिकॉर्ड डेट तय की

अहमदाबाद, एजेंसी। रुशिल डेकोर लिमिटेड (बीएसई- 533470, एनएसई), जो इको-फ्रेंडली एमडीएफ लैमिनेट्स और प्लाईवुड की मैन्युफैक्चरिंग में एक प्रमुख नाम है, ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने 9 अगस्त 2024 को उसके 1-10 रेशो के स्टॉक स्प्लिट के लिए रेकॉर्ड डेट सेट की है। हाल ही में बोर्ड ने 1-10 रेशो में स्टॉक विभाजन अर्थात 10 रुपये फेस वैल्यू के प्रत्येक 1 इक्विटी शेयर का सब-डिवीजन/डिवीजन तथा 10 इक्विटी शेयर्स के प्रति 1 रुपये की फेस वैल्यू को मंजूरी दी। पहले से ही 50 से अधिक देशों में एक्सपोर्ट के साथ, रुशिल डेकोर ग्लोबली एमडीएफ के सबसे बड़े बाज़ारों में से एक में प्रवेश करने के लिए तैयार है। इंटरज़म बोगोटा की पूर्व संध्या पर, रुशिल डेकोर के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री रुशिल ठक्कर ने अरबों डॉलर के ग्लोबल वुड पैनल मार्केट के साथ बढ़ने के बारे में आशा और विश्वास व्यक्त किया।

76वें स्थापना दिवस पर अभाविप छात्रोत्कर्ष कार्यक्रम आयोजित

अभाविप पहले आयी होती तो, स्वामीजी को 100 युवा मांगने की जरूरत नहीं पड़ती: डॉ. दवे

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 76वें स्थापना दिवस पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में %छात्रोत्कर्ष% कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे और विशिष्ट अतिथि अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी रहे। कार्यक्रम में सैकड़ों विद्यार्थी, प्राध्यापक, और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

डॉ. विकास दवे ने कहा कि एबीवीपी एक मात्रा संस्था है जो खुद को संगठन कहता है। ये संगठन पत्थर से कांच तोडने वाला नही बल्कि राष्ट्र सक्ती छात्र शक्ति वाला संगठन है। साथ ही डॉ. दवे ने कहा कि विवेकानंद जी को 100 लोगों के मांगने की जरुरत नहीं होती अगर अभाविप का गठन स्वतंत्र के पहले हो गया होता क्योंकि जहां देश की बात होती वहां अभाविप का हर एक कार्यकर्ता खड़ा रहता है। व्यक्ति नहीं संगठन सर्वोपरि रहता है यह एवीबीपी सिखाता है। भगत सिंह राजगुरु सुखदेव को अपना आदर्श मानने वाला एक मात्रा संगठन अभाविप है। जिस उम्र में एक युवा

अपनी शिक्षा भविष्य परिवार का सोचता है उस उम्र में अभाविप का कार्यकर्ता देश सेवा में लग जाता है। गुजरात के एक युवा ने जिस ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारत पर राज करा उस कंपनी के 75 प्रतिशत शेयर खरीद कर आज भारत ने उस कंपनी को अपना गुलाम बना लिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन अभाविप है, जो राष्ट्र प्रेम से परिपूर्ण है और राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करने वाले व्यक्तियों के निर्माण से राष्ट पुनर्निर्माण की अलख जगा रहा है और विद्यार्थियों में सेवा, समर्पण, संवेदना, स्वाभिमान, समरसता, सहजता जैसे गुणों का विकास विविध प्रकल्पों और आयामों के माध्यम से कर रहा है। अभाविप ये मात्र छात्र संगठन का नाम नहीं। बल्कि एक जीवनदृष्टि है। अभाविप याने यौवन, उत्साह, आनंद, शौर्य, ताकत, जोश और होश है। कार्यक्रम के पश्चात बरकतउल्ला विवि के ज्ञान-विज्ञान भवन से अभाविप प्रांत कार्यालय (भारत माता चौराहा) तक वाहन रैली निकाली गई, जिसमें सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया। वाहन रैली का समापन चौराहे पर स्थित भारत माता की आरती के बाद हुआ।

हार्टअटैक और विट्ठल: पूरे महाराष्ट्र में श्रीविट्ठल की पूजा होती है

विठ्ठल के हाथ कमर पर होते हैं। पंढरपुर की विठ्ठल की मूर्ति को ध्यान से देखने पर हाथ की अंगुलियाँ ऊपर की ओर होती हैं। यदि इसे वैद्यकीय दृष्टिकोण से देखा जाए, तो दायाँ तला लिवर पर और बायाँ तला स्प्लीन पर होता है।

शरीर के चुंबकीय विज्ञान को ध्यान में रखते हुए दायाँ तला दक्षिण ध्रुव और बायाँ तला उत्तर ध्रुव होता है।

पेट में गैस होने पर वह छाती में जाने लगती है, जिससे छाती में दर्द होता है और इसी से हार्टअटैक का खतरा होता है। इस समय विठ्ठल की तरह दोनों पसलियों के नीचे हाथ रखने पर गैस लिवर की तरफ जाती है और बाहर निकलती है। वह छाती में नहीं जाती।

इसी प्रकार ÷वर्ड वाइब्रेशन थेरेपी÷ का विचार करते समय %ट% और %ठ% अक्षरों को अनुस्वार के साथ बोलने पर हार्ट की सुरक्षा होती है। विठ्ठल बोलते समय ÷ठ÷ डबल होता है। इसलिए जब छाती में दर्द हो या प्रेशर हो, तो ÷विठ्ठल विठ्ठल÷ कहना चाहिए। इससे 5-10 मिनट में राहत मिलती है।

ये सब श्री. वैद्य से चर्चा करते समय समझ आया। श्री. वैद्य का प्रेस है। हमारे ÷%षटचक्रे और आरोग्य÷% पुस्तक की छपाई करते समय उन्होंने यह अनुभव बताया। उन्होंने कहा, ÷जोशी साहब, पिछला ही अनुभव बता रहा हूँ। परसों रात 11 बजे छाती में बहुत दर्द हो रहा था। (वैद्य की 5-7 साल पहले ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी)। यदि पत्नी या माँ को बताया होता, तो उन्होंने मुझे अस्पताल ले गए होते। कुछ नहीं, उठकर बालकनी में गया और आपके कहे अनुसार विठ्ठल की तरह दोनों पसलियों के नीचे हाथ रखकर खड़ा हो गया और %जयहरी विठ्ठल% कहने लगा। पाँच मिनट में दो जोरदार गैस निकली और छाती का दर्द खत्म

हो गया। फिर कभी छाती में दर्द नहीं हुआ, धन्यवाद।

मैंने सातार की एक महिला को छाती में दर्द होने पर ÷ट÷ और ÷ठ÷ अक्षरों को अनुस्वार के साथ बोलने को कहा। वह बोलीं, यह अक्षर याद कैसे रहेंगे? मैंने कहा, ÷विठ्ठल÷ कहो। चर्चा वहीं खत्म हो गई।

दो ही दिन बाद उस महिला की छाती में दर्द हुआ। उस समय उन्हें उस चर्चा का विठ्ठल याद आया! और वह बस ÷विठ्ठल विठ्ठल÷ कहने लगीं। और छाती का दर्द बंद हो गया। उन्होंने मेरी बेटी को (वह सातार में रहती है) फोन करके यह अनुभव बताया। सासूजी को रात 1-30 बजे हार्टअटैक हुआ। सासूजी ने हमें उठाया और बताया कि छाती में बहुत दर्द हो रहा है। उन्हें पूरे शरीर में पसीना आ रहा था, इसलिए पंखा जोर से चलाया था। हमें वह पंखा परेशान कर रहा था। उनका बायाँ हाथ भी दर्द कर रहा था (यह हार्टअटैक के लक्षण हैं)। मैंने उनके लिवर पर चुंबक का दक्षिण ध्रुव और स्प्लीन पर उत्तर ध्रुव रखा। उन्हें अपानवायुमुद्रा करने को कहा और मुँह से ÷जय हरी विठ्ठल÷ जोर से कहने को कहा। 15-20 मिनट में पसीना रुक गया और उन्होंने पंखा बंद करने को कहा। बायाँ हाथ और छाती का दर्द खत्म हो गया। रात 2 बजे हम सब सो गए। उन्हें डर न लगे इसलिए यह हार्टअटैक था यह उन्हें चार दिन बाद बताया।महाराष्ट्र में आषाढ़ मास में भारी बारिश होती है जिससे पाचन शक्ति मंद होती है और गैस होती है। इसलिए पंढरी की वारी होती है। इसका मतलब विठ्ठल नाम का जप। हमारे पूर्वज कितने बुद्धिमान थे देखो - राम, कृष्ण, विठ्ठल, व्यंकटेश ये सभी विष्णु के रूप हैं लेकिन महाराष्ट्र के मौसम के अनुसार हमारा देवता विठ्ठल है - आम जनता का सहज आरोग्य। सिर्फ इस जानकारी से उन्होंने समाज का हित देखा, खुद पैसा नहीं कमाया, इसलिए वे अज्ञानी थे क्या? यदि सच में आप इस कथन पर 100त्न विश्वास रखते हैं, तो निर्भीकता से ÷विठ्ठल !!! विठ्ठल !!! विठ्ठल !!!÷ 108 बार रोज तीन बार कहें और 45 दिनों में अपने कोलेस्ट्रॉल / हृदय के सभी विकार गायब देखें। दवा बिनपैसे की है लेकिन बहुत गुणकारी है। और हाँ, यदि आप नास्तिक भी हैं तो भी इसे आजमाएं। आखिरकार, जीवन की रक्षा महत्वपूर्ण है, है ना... !!!

जब कभी भी किसी जरूरतमंद पर ऐसी परिस्थिति आए, तो इस ÷विठ्ठल÷ जप को याद करके जरूर आजमाएं।

इंटेग्रा एसेंशिया लिमिटेड बोर्ड ने जी जी इंजीनियरिंग लिमिटेड के साथ एकीकरण की योजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली। इंटेग्रा एसेंशिया लिमिटेड (बीएसई: 535958, एनएसई) को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इंटेग्रा एसेंशिया लिमिटेड (ट्रांसफरी कंपनी) और जी जी इंजीनियरिंग लिमिटेड (ट्रांसफरर कंपनी) की एकीकरण की योजना को मंजूरी दे दी है। यह योजना बीएसई लिमिटेड , नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड , सिक्योरिटीज़ एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया , नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल , शेयरहोल्डर्स और दोनों कंपनियों के ऋणदाता और अन्य विशिष्ट सेक्टरल रेगुलेटर्स, यदि कोई हो, के अनुमोदन के अधीन है। जी जी इंजीनियरिंग लिमिटेड ट्रांसफरर कंपनी, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर इंफ्रास्ट्रक्चरल और स्ट्रक्चरल स्टील और इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स के बिज़नेस में है, जिनका उपयोग इंफ्रास्ट्रक्चर, कंस्ट्रक्शन, मेगा प्रोजेक्ट्स, मॉडर्न बिल्डिंग, हाई-राइज रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्रोजेक्ट्स, इंजीनियरिंग सेट-अप आदि जैसे अनेक उद्योगों में विविध अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है। विलय से ट्रांसफ़री कंपनी के इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया और मज़बूत किया जाएगा, इसकी परिचालन क्षमताओं और बाज़ार प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा। इसका उद्देश्य संयुक्त प्रोडक्ट पेशकश को समृद्ध करना और स्थानीय और वैश्विक स्तर पर ग्राहक आधार का विस्तार करना है। प्रस्तावित एकीकरण से ट्रांसफ़रर और ट्रांसफ़री दोनों कंपनियों के लिए इकनॉमिक वैल्यू सृजित होने की उम्मीद है। ट्रांसफ़रर कंपनी के शेयरधारकों को कम फाइनेंस कॉस्ट, बेहतर लाभप्रदता और व्यवसाय वृद्धि के लिए अतिरिक्त संसाधनों से लाभ होगा। ट्रांसफ़री कंपनी के शेयरधारकों को व्यवसाय विस्तार से लाभ होने की उम्मीद है। दोनों कंपनियों के शेयरधारकों को व्यावसायिक तालमेल, लागत बचत, कम प्रशासनिक/परिचालन लागत और विलय की गई इकाई के बेहतर वित्तीय प्रदर्शन के माध्यम से बनाए गए बढ़े हुए मूल्य से लाभ होने की संभावना है।

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड को उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर जिले में हाईएस्ट टैक्स पेअर के रूप में सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड भारत की लीडिंग स्टील पाइप्स कंपनियों में से एक, यह घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रही है कि इसे डिपार्टमेंट ऑफ कमर्शियल टैक्सेस उत्तर प्रदेश द्वारा डिस्ट्रिक्ट बुलन्दशहर में फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के लिए हाईएस्ट टैक्स पेअर (भामा शाह अवॉर्ड) के रूप में मान्यता दी गई है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार टैक्सेस (करों) के समय पर और ट्रांसपेरेंट पेमेंट के द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में हाई-टेक पाइप्स के योगदान को स्वीकार करता है। अनुपालन और एथिकल बिज़नेस प्रैक्टिसेस के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता ने यह विशिष्ट मान्यता अर्जित की है। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्ट श्री अजय कुमार बंसल ने कहा कि, हम इस पुरस्कार को प्राप्त करते हुए सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति हमारे समर्पण और हमारे राष्ट के विकास का समर्थन करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम डिपार्टमेंट ऑफ कमर्शियल टैक्सेस यूपी द्वारा मान्यता की सराहना करते हैं और अनुपालन और पारदर्शिता के हाईएस्ट स्टैंडर्ड को बनाए रखना जारी रखेंगे। इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए अपनी आय की रिपोर्ट दी थी, और कहा था कि स्टील की कीमतों में भारी कमी के कारण चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद, तिमाही के दौरान कंपनी ने 1.07 लाख टन और वार्षिक 3.91 लाख टन की उच्चतम मात्रा प्राप्त की है।

ट्रेन रूट चेंज : खंडवा यार्ड रीमॉडलिंग और गेज परिवर्तन के चलते यात्री गाड़ियों का बदलेगा

ट्रेन रूट चैंज - मध्य रेल के भुसावल मंडल के भुसावल-खंडवा खंड के बीच गेज परिवर्तन और खंडवा यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के चलते कुछ यात्री गाड़ियों का रूट परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है।

इन गाड़ियों का बदलेगा रूट...

1. गाड़ी संख्या 11057 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अमृतसर एक्सप्रेस 14 जुलाई से 21 जुलाई तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया वसई रोड-सूरत-वडोदरा-रतलाम-भोपाल होते हुए जाएगी।

2. गाड़ी संख्या 11058 अमृतसर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 14 जुलाई से 21 जुलाई तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया भोपाल-रतलाम-वडोदरा-सूरत-वसई रोड होते हुए जाएगी।

3. गाड़ी संख्या 12361 आसनसोल-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 21 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया इटारसी-नरखेड-बडनेरा-भुसावल होते हुए जाएगी।

4. गाड़ी संख्या 12485 नांदेड-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस दिनांक 22 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया पूर्णा-अकोला-बडनेरा-नरखेड-इटारसी होते हुए जाएगी।

5. गाड़ी संख्या 12618 निजामुद्दीन-एर्नाकुलम एक्सप्रेस 22 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया इटारसी-नरखेड-बडनेरा-भुसावल होते हुए जाएगी।

6. गाड़ी संख्या 12627 बैंगलोर-नयी दिल्ली एक्सप्रेस 21 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया भुसावल-बडनेरा-नरखेड-इटारसी होते हुए जाएगी।

7. गाड़ी संख्या 12715 नांदेड-अमृतसर एक्सप्रेस 22 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया पूर्णा-अकोला-बडनेरा-नरखेड-इटारसी होते हुए जाएगी।

8. गाड़ी संख्या 12753 नांदेड-निजामुद्दीन एक्सप्रेस 16 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया पूर्णा-अकोला-भुसावल-बडनेरा-नरखेड-इटारसी होते हुए जाएगी।

9. गाड़ी संख्या 12754 निजामुद्दीन-नांदेड एक्सप्रेस 17 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया इटारसी-नरखेड-बडनेरा-अकोला-परभणी होते हुए जाएगी।

10. गाड़ी संख्या 12782 निजामुद्दीन-मैसूर एक्सप्रेस 22 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया इटारसी-नरखेड-बडनेरा-भुसावल होते हुए जाएगी।

11. गाड़ी संख्या 17019 हिसार-हैदराबाद एक्सप्रेस 16 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया रतलाम-वडोदरा-सूरत-जलगांव होते हुए जाएगी।

12. गाड़ी संख्या 17020 हैदराबाद-हिसार एक्सप्रेस 20 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया जलगांव-सूरत-वडोदरा-रतलाम होते हुए जाएगी।

13. गाड़ी संख्या 19435 अहमदाबाद-आसनसोल एक्सप्रेस 18 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया वसई रोड-सूरत-वडोदरा-रतलाम-भोपाल होते हुए जाएगी।

14. गाड़ी संख्या 19436 आसनसोल-अहमदाबाद एक्सप्रेस 20 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया भोपाल-रतलाम-वडोदरा-सूरत-वसई रोड होते हुए जाएगी।

15. गाड़ी संख्या 19483 अहमदाबाद-बरोनी एक्सप्रेस 15 जुलाई 22 जुलाई तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया सूरत-वडोदरा-रतलाम-भोपाल होते हुए जाएगी।

16. गाड़ी संख्या 19484 बरोनी-अहमदाबाद एक्सप्रेस 14

जुलाई से 20 जुलाई तक अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया भोपाल-रतलाम-वडोदरा-सूरत होते हुए जाएगी।

17. गाड़ी संख्या 20104 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस 21 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से परिवर्तित मार्ग वाया इटारसी-नरखेड-बडनेरा-भुसावल होते हुए जाएगी।

18. गाड़ी संख्या 22947 सूरत-भागलपुर एक्सप्रेस 16 जुलाई और 20 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया वडोदरा-रतलाम-भोपाल होते हुए जाएगी।

19. गाड़ी संख्या 22948 भागलपुर-सूरत एक्सप्रेस 15 जुलाई और 18 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया भोपाल-रतलाम-वडोदरा होते हुए जाएगी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी

क्रं. लोक कर्म शाखा/2024/737 इटारसी 10.07.2024

ई निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर पोर्टल क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.सी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2024_ UAD_ 356374_1	वार्ड क्रं. 02 में हनुमान जी मंदिर से रजक के मकान तक तथा श्री रमेश चौरे के मकान से जुझारपुर रोड तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य और आक्का के मकान से बनेरिया के मकान तक एवं श्री रमेश चौरे के मकान से जुझारपुर रोड तक सीसी रोड निर्माण कार्य	30,07,543 /-	5000/- 22560/-	08.08.2024 17.30
2	2024_ UAD_ 356428_1	वार्ड क्रं 33 में उमाशंकर पटैल के मकान से मुहारे जी के मकान तक एवं राजा भैया के मकान से चौरे जी के मकान तक आरसीसी नाली निर्माण तथा उमाशंकर पटैल के मकान से मुहारे जी के मकान तक सीसी रोड निर्माण कार्य।	7,98,491/-	2000/- 7990/-	24.07.2024 17.30
3	2024_ UAD_ 356435_1	नगर इटारसी के शांतिधाम गोकुल नगर खेडा इटारसी में सार्वजनिक सी. सी. चबूतरा एवं टीन शेड निर्माण कार्य। (सांसद निधि)	1,69,491/-	2000/- 1695/-	24.07.2024 17.30
4	2024_ UAD_ 356446_1	वार्ड क्रं 11 इंदिरा कालोनी एवं गरीबी लाईन में रोड के दोनो तरफ पेवर ब्लॉक कार्य।	8,05,924/-	2000/- 8060/-	24.07.2024 17.30
5	2024_ UAD_ 356467_1	वार्ड क्रं 12 कावेरी स्टेट पार्क में पेवर ब्लॉक कार्य।	4,94,348 /-	2000/- 4943/-	24.07.2024 17.30
6	2024 UAD_ 356484_1	वार्ड क्रं 20 में देवेंद्र चौहान के मकान से रोहित दुबे के मकान तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य।	7,58,328 /-	2000/- 7583/-	24.07.2024 17.30

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की बेबसाईट https:\\www.mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, इटारसी

मध्यम बारिस होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (10 जुलाई ङ्क 14 जुलाई 2024) घने बादल रहने एवं दिनांक 10.07.2024 तथा 11.07.2024 को तूफान और बिजली के साथ भारी बारिस एवं दिनांक 12.07.2024 से 14.07.2024 को तूफान और बिजली के साथ मध्यम बारिस होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 30-31 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 21-24 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है। अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 85-92 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 68-77 प्रतिशत रहने की संभावना है। आने वाले दिनों में हवा दक्षिण-पूर्व एवं पश्चिम दिशा में बहने एवं 08-18 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है।

वाल्मिकी पेंशनर समाज की कार्यकारणी कठित

छिंदवाड़ा। अखिल भारतीय वाल्मिकी महासभा वाल्मिकी पेंशनर समाज की बैठक मंगलवार को इंडियन कॉफी हाउस पुलिस ग्राउंड छिंदवाड़ा में आयोजित की गयी। बैठक में वाल्मिकी समाज की भलाई एवं उन्नति तथा सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक व आर्थिक उत्थान तथा सम्वैधानिक उपायो से वाल्मिकी समाज का सार्वोगिण विकास के लिए बैठक में विशेष निर्णय लेते हुए अखिल भारतीय वाल्मिकी महासभा वाल्मिकी पेंशनर समाज के जिला शाखा छिंदवाड़ा की कार्यकारणी गठित की गयी। जिसमें मुख्य रूप से जिला शाखा अध्यक्ष अशोक कुमार झा, कार्यवाहक अध्यक्ष कैलाश धारू, उपाध्यक्ष नरेन्द्र लाहोरिया, मुकेश गोदरे, दीनेश सोधे, मुकेश चौहान, कैलाश पथरोल, कोषाध्यक्ष जगदीश झांझोट, महासचिव किशोर राजोरिया, सचिव आनंद झा, पुरनसिंह पवार, रमेश कंडेरे, अशोक गोहर, संयुक्त सचिव रमेश धोलपुरिया, कैलाश कटारिया, एवं संगठन सचिव शीतलसिंह पवार, रमश सारवान को कार्यकारिणी में शामिल किया गया।

गुजराती समाज की महिलाओं ने किया पौधारोपण

छिंदवाड़ा। ग्रीन इंडिया ग्रीन छिंदवाड़ा मिशन ग्रीन इंडिया के अंतर्गत कच्छपाटीदार गुजराती समाज की महिलाओं द्वारा स्थानीय सोनाखार में वृक्षारोपण किया गया इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के औषधीय एवं फलदार पौधे लगाए गए एवं उनके संरक्षण के लिए समाज की सभी महिलाओं ने प्रतिज्ञा भी ली।

पंज-ज अभियान के अंतर्गत किया गया पौधारोपण

छिन्दवाड़ा। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरणछिन्दवाड़ा जितेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में हायर सेकेण्डरी बालाजी पब्लिक स्कूल परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम किया गया।कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री विजय खोब्रागड़े ने बताया कि वर्तमान में पर्यावरण असंतुलन के कारण ऋतुओं में परिवर्तन देखा जा रहा है। पृथ्वी का तापमान बढ़ने से असमय बारिश हो रही है तथा गर्मी पड़ रही है, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, जिसका मानव जीवन पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। पर्यावरण को संतुलित करने के लिए बड़ी मात्रा में पौधे लगाना तथा उनकी देखभाल करना आवश्यक है। भारत में एक रिपोर्ट के अनुसार 1000 व्यक्तियों पर मात्र 28 पेड़ हैं, जो कि बहुत ही कम है जो कि चिंताजनक है, इस कारण पर्यावरण के प्रति जागरूक होकर प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहिए।जिला विधिक सहायता अधिकारी खोब्रागडे ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में बच्चों को जानकारी देते हुये बताया कि हमें साफ-सफाई पर ध्यान देना चाहिए, घरों का कचरा, कचरा पेटी या कचरा डालने के लिए बनाए गए निर्धारित स्थान पर ही डालना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को शौचालय का उपयोग करना चाहिए। साथ ही प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए। कार्यक्रम में म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार पंच-ज अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया।

सीटू यूनियन ने शारदा खदान में किया गेट मीटिंग

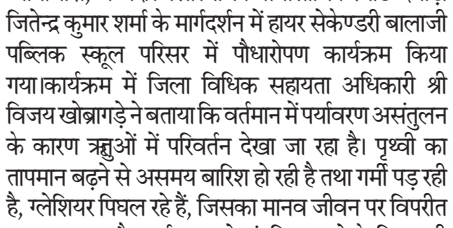

परासिया। कन्हान क्षेत्र की एक मात्र उत्पादन करने वाली खदान शारदा माईन में सोमवार को सुबह प्रथम पाली में लाल झंडा कोल माइंस मजदूर यूनियन सीटू पेंच कन्हान क्षेत्र ने केंद्र सरकार की मजदूरों, किसानों के साथ देश की आम जनता के पक्षित श्रम संहिता,श्रम कानूनों को बदलकर कार्पोरेट, पूंजीपतियों के पक्षधर कानूनों को लागू कर रही हैं। और सरकारी कंपनियों को प्राइवेट के तहत बेचने वाले नीतियों के नाम को बदलकर एन एम पी और एम डी ओ के नाम पर बेचना शुरू कर दिया है।ट्रेड यूनियन को समाप्त करने वाली नीतियों को लागू कर मजदूरों को समय-समय पर बचाने में ढाल का काम करती हैं, साथ ही आंदोलन और संघर्ष के बल पर मजदूरों को सुरक्षा और अधिकारों को बचाने में हमेशा सहायक साबित होती हैं,उसको समाप्त कर मालिकों के पक्ष में पूरी तैयारी कर ली है, और लोगों में भ्रम फैला रही हैं कि किसी को कोई नुक़सान नहीं होगा,जिसके परिणाम स्वरूप धीरे धीरे देश का सभी स्वरूपों को बदल देंगे।आम जनता चुप चाप देखतीं रह जायेगी। इन्हीं सभी मुद्दों को लेकर दस जुलाई को परासिया एस डी एम के हस्ते हमारे देश के प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेगा, जिसमें अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के आह्वान के साथ सीटू पेंच कन्हान क्षेत्र के अध्यक्ष अमरनाथ सिंह, महासचिव मीरहसन,वरीष्ठ सचिव मार्कण्डेय मिश्रा, सचिव अशोक भारती ने गेट मीटिंग को संबोधित किया गेट मीटिंग में मुख्य रूप से संगठन के पदाधिकारियों में नितिन साहनी, दिनेश गौतम,अकलेश सारनकर,तथा मंच संचालन विनोद साहू द्वारा किया गया।

जब दादी मां ने आसमान से धरती पर उतरकर पोते की रक्षा की

डॉ.स्वाति तिवारी

मैं आज जिस घटना का जिक्र कर रही हूँ वह हमारे ही परिवार के एक वरिष्ठ सदस्य से जुड़ी सच्ची घटना हैं। जहाँ तक मैं उन्हें जानती हूँ वे ना योग साधना करते है,ना कोई तंत्र विद्या जानते है, ना ही तंत्र 'सत्कर्म'- 'योग' और 'ध्यान ' की ही तरह डायनामिक रिजल्ट देने वाली किसी प्राच्य विद्याओं के अध्येता हैं। जहाँ तक मुझे पता है ,वे एक कर्म पर विश्वास करने वाले एक आध्यात्मिक सद्गृहस्थ ही हैं और अपने काम को ही पूजा मानते हैं।

चमत्कार ,या किसी अंध विश्वास को ना भी माने कोई तो भी कई बार कुछ ऐसा होता है जो लौकिक नहीं अलौकिक कहा जा सकता है। अचंभित करती घटनाएं तो किसी के भी साथ हो ही सकती हैं ?

आज मैं रहस्य और रोमांच की इस श्रृंखला में एकदम अलग और सकारात्मक ऊर्जा का किस्सा बताने जा रही हूँ .यह सकारात्मक ऊर्जा हमारे पूर्वजों से भी आती हैं शायद इसलिए कहा जाता हैं कि पूर्वजों का आशीर्वाद लेना चाहिए।

हिंदू धर्म में पूर्वजों को देवताओं का दर्जा दिया जाता है. ऐसा माना जाता है कि अगर पूर्वज नाराज हो जाएं, तो घर परिवार की उन्नति रुक जाती है और हर काम में बाधा आने लगती है। लोग कहते है पितृ भी सताते हैं। उनकी आत्मा को अगर सताया या दुःख दिया तो वे हमेशा पितृ दोष के रूप में पीढ़ियों तक हमारा पीछा करते हैं। लेकिन हमारे परिवार का अनुभव पितृ दोष का तो याद नहीं लेकिन पितृ आशीष का जरुर है। कह सकते हैं कि जीवन संकट के समय पितृ आत्मा का आसमान से धरती पर उतरकर अपने पोते की जीवन की रक्षा करने का रहा है।

पुराणों के अनुसार पितृपक्ष के समय तीन पीढ़ियों के पूर्वज स्वर्ग और पृथ्वी लोक के बीच पितृलोक में रहते हैं .कोई नहीं जानता इन सब रहस्यों के बारे में लेकिन ये सभी हमारे विश्वास को हमारे मनोबल को शक्ति जरुर प्रदान करते हैं।

तो आज इसी रहस्य के किस्से पर बात करते हैं । हमारे तिवारी परिवार में तीसरे क्रम वाले बड़े भाई साहब दिनेश तिवारी जी का एक अलग और रोमांचक अनुभव बता रही हूँ . दिनेश तिवारी जी अपने समय के भौतिक शास्त्र के एमएससी प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त विद्यार्थी रहे हैं और वे महाविद्यालय के अध्यापन कार्य को बीच में छोड़ कर बैंक अधिकारी बने. भाई साहब के जीवन का एक अनुभव अपने पितृ दादी माँ के दर्शन

का है .बैंक में काम करते हुए उन्हें एक लंबा अरसा हो गया था और उन दिनों वे यूनियन में किसी पद पर थे .यह बात है सन 1991 की है,जब वे उज्जैन में पदस्थ थे .सुखद पारिवारिक जीवन ,तीन बच्चे और प्रतिष्ठित संस्था में नौकरी . व्यक्ति को और क्या चाहिए ? लेकिन कभी कभी जीवन में लिखी घात सब पर भारी पड ही जाती .और आदरणीय दिनेश तिवारी जी पर भी यह घात थी।

वे उन दिनों यात्राएं कम ही करते थे ,लेकिन वह 13 जुलाई 1991 का दिन था और ना चाहते हुए भी वे उस दिन बैंक यूनियन के साथियों के साथ सुबह ही भोपाल गये थे। सारा दिन अपने मीटिंग और बैंक के काम करके ये सभी वापसी के लिए निकले थे। देर रात लगभग 12 बजे होंगे, भोपाल से इंदौर के रास्ते में , शायद वह स्थान जावरा फाटा था जो आष्टा के आसपास था। नींद आँखों को बोझिल कर रही थी और झपकी लगी ही थी कि अचानक जोरदार धमाके जैसा हुआ और कुछ समझ पाते उसके पहले दुर्घटना घट गई थी। केवल यह समझ आया कि उनकी कार का तेज रफ़्तार ट्रक के साथ एक्सीडेंट हो चुका था और दर्द और पीड़ा ने यह समझा दिया था कि हाथ, पैर और शरीर की कई हड्डियां टूट चुकी है .उन्होने कार चला रहे अपने साथी को आवाज दी लेकिन कोई जवाब नहीं मिला ,अन्य साथी भी घायल थे.

जब दादी मां ने आसमान से धरती पर उतरकर पोते की रक्षा की !

भाई साहब बताते हैं कि अवचेतना की उन स्थितियों में मैं देख रहा था कि मेरे शरीर का शायद ही कोई भाग साबुत बचा होगा? जबड़े की ,पैर की, पता नहीं कितनी हड्डियाँ एक साथ टूट कर प्राण निकाल रही थी। दिमाग पर मूर्छा छाने लगी थी और मैं अचेतन अवस्था में चला गया था। इस अचेतन अवस्था में मैंने एक अलग ही दृश्य देखा। हमारे चारों और अन्धेरा था ,वहां केवल चांदनी का उजाला था. मैं देख रहा था आसमान से धरती पर आये यम के दूतों को, जिन्होंने पहले मेरे साथी के शरीर से आत्मा को निकाला और वो मेरी तरफ बढे। मेरी भी आत्मा उनके हाथ में थी और मैं भी जा रहा था उनके साथ, तभी एक आकाशीय उज्जवल रोशनी को आते देखा और देखते देखते वह रोशनी मेरे सामने अपने हाथ फैलाती मेरी पूज्य दादी मां में बदल गई .

वे मेरी दादी मां ही थी, जो यमदूत के सामने खड़ी थी। मेरी निश्चेत देह के सामने अपने हाथ लम्बे करते हुए मेरी सुरक्षा के कवच के रूप में एक लक्ष्मण रेखा बनाती हुई। मैं सुन रहा था वे उन दूतों से कह रही थी- इसे वापस रखो इसकी देह में ,ये यहाँ से नहीं जाएगा , इसकी आत्मा को नहीं ले जा सकते। मैं उस अचेतन अवस्था में भी जैसे जागा हुआ सा माँ साब को सुन रहा था और देख रहा था अपनी पितृ शक्ति को जो स्वर्ग लोक से उतर कर पृथ्वी तक की यात्रा कर मुझे बचाने के लिए, अड़कर मेरी सुरक्षा कवच बन कर खड़ी थी।

कुछ देर के बाद मैं अपनी आत्मा को अपनी देह में फिर महसूस करने लगा .और वे सब जो कुछ देर पहले वहां थे ,वे जा चुके थे.और माँ साब भी मेरे सर पर हाथ फेरते हुए फिर उसी मार्ग से जा चुकी थी .

भोर हो रही थी और पुलिस और ग्रामीण गाडी में दबे हुए हम सभी को बचाने के लिए हमें और हमारे हाथ पैर निकाल रहे थे जो फ्रैक्चर हो चुके थे .मैंने पूरी तरह बेहोश होने से पहले पुलिस को बताया था कि मैंने एक सोने की चेन ,घड़ी,और रिंग पहनी थी। यह बताने के बाद मैं बेहोश हो गया था। और जब तीन दिन बाद मुझे होश आया तो परिवार के सदस्यों ने बताया कि मैं बेहोशी में अपनी दादी माँ को याद कर रहा था ।मेरे साथ घटी इस बेहद भयावह दुर्घटना में मेरे साथी चले गए थे। मैं बच गया था।सालो साल मेरा इलाज चला .जाने कितने ऑपरेशन हुए। फ्रैक्चर , प्लास्टर, दांतों की सर्जरी से लेकर जाने कितने संकट झेल गया क्योंकि दादी माँ का,मेरे पूर्वजों का आशीर्वाद मिला मुझे था .परिवार उस वक्त मेरी ढाल बन गया था जो सतत मेरे साथ मेरे जीवन के लिए लड़ रहा था।

मैंने महिलाओं को वट -सावित्री का व्रत करते देखा था ,लेकिन सावित्री की तरह सत्यवान के प्राणों की रक्षा करती मेरी पत्नी लक्ष्मी का उल्लेख जरुर करना चाहूँगा। अस्वस्थता के उस संकट काल में उनकी प्रेम ,समर्पण और सेवा भावना को मैं जीवन पर्यंत भूल नहीं सकता।

मेरे परिवार की सेवा और भाइयों का दिया हुआ रक्त मेरे शरीर में बह रहा था .नया जीवन मिला . माँ साहब का आशीष और मुझे पितृ दर्शन हुए थे .इसलिए कह सकता हूँ कि पूर्वज उस लोक से भी हमें देख रहे होते हैं और हमारी रक्षा करते हैं।कहा जा सकता है कि पितृ आत्माएं जब परिवार से संतुष्ट होती हैं वे अपने आशीष हम पर बरसाती हैं .जब जब भी संकट आते हैं तब तब वे हमारी रक्षा करती हैं .यह आस्था और विश्वास का आधार भी है।

यह घटना घटी तो भाई साहब के साथ थी लेकिन हमारे पूरे परिवार के मनोबल को हमेशा बढ़ाती है. उस दिन सभी ने यह महसूस किया कि सयुंक्त परिवार की ताकत क्या होती है.हमारा तिवारी परिवार आठ भाई बहनों के परिवारों से मिल कर बना है जिसमें हम लगभग 85 सदस्य है. बाबूजी स्व.पंडित रामानंद तिवारी जी के कच्चे पाट वाले घर की दिवार पर लिखा था ÷बंधे रहोगे तो गठ्ठर जैसे मजबूत हो और बिखर गए तो कमजोर होती लकड़ी हो जाओगे÷. बाबूजी के इस वाक्य को हमारे बड़े भाई साहब परिवार के मुखिया श्री बी एल तिवारी जी ने परिवार का सूत्र वाक्य ही बना दिया और हर सुख -दुःख में वे सबसे पहले सबको लेकर खड़े होते हैं .

मैं मानती हूँ कि पितृ-पूर्वजों के आशीर्वाद ,और परिवार का साथ ही हर संकट से निकाल देता है.

अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, जमीन का सीमांकन करने, अतिक्रमण हटाने मांग की

जनसुनवाई में सुनी गई 80 आवेदकों की समस्यायें

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर के.सी.बोपचे ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 80 आवेदकों की समस्यायें सुनी। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में मुख्य रूप से अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, जमीन का सीमांकन करने, अतिक्रमण हटाने, खसरा में नाम सुधारने, प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि दिलाने, फौती नामांतरण दर्ज करने, नल-जल व्यवस्था करने, आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी।

अपर कलेक्टर श्री बोपचे ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिये भी चिन्हांकित किया । इस दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नगरपालिक निगम आयुक्त सी.पी.राय, एसडीएम सुधीर जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर व डिप्टी कलेक्टर आर.के.मेहरा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारियों द्वारा भी आवेदनों पर सुनवाई की गई, जबकि अन्य सभी खंड स्तरीय अधिकारी (अमरवाड़ा विधानसभा को छोड़कर) वीसी के माध्यम से जनसुनवाई में शामिल हुये।

अमरवाड़ा उपचुनाव में आज मतदान

त्रिकोणीय संघर्ष होगा

छिंदवाड़ा। अमरवाड़ा उपचुनाव में आज मतदान होगा यहां पर त्रिकोणीय संघर्ष है, भाजपा से कमलेश शाह, कांग्रेस से धीरेन्द्र शाह एवं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के देवरावेन भलावी मैदान में है। चुनाव में कुल मतदाता 2,56,956 है, जिसमें पुरूष 1,28,947 एवं महिलायें 1,28,010 है। यहां कुल मतदान केन्द्र 332 है। भाजपा इस सीट को जीतना चाहती है इसीलिए उसने पूरा जोर लगाया है यहां मुख्यमंत्री आखरी तक आये है एवं इन्होने अरबों रूपये की घोषणायें भी की है। कांग्रेस की ओर से प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ ने पूरा जोर लगाया है।

जिले में सात विधानसभा सीटे है जिसमें 6 विधायक कांग्रेस के है। सातवी सीट के लिए अमरवाड़ा के विधायक ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गये थे। इनके इस्तीफे देने के बाद यहां उपचुनाव हो रहे है। भाजपा का जोर है कि कमलेश शाह जीतेंगे तो डबल इंजन की सरकार में विकास तेजी से होगा जबकि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ कह रहे है कि कांग्रेस प्रत्याशी जीता तो मेरे साथ विधानसभा में बैठेंगे। जनता समझ रही है कि कौन विकास करवायेगा और कौन नहीं करवा पायेगा।

छिंदवाड़ा का कद्दू उड़ीसा, बिहार, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना एवं महाराष्ट्र जाता

उप संचालक कृषि जितेन्द्र सिंह ने ग्रीष्मकालीन देशी कद्दू की खेती का किया अवलोकन

छिन्दवाड़ा। उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह एवं सहायक संचालक कृषि धीरज ठाकुर ने आज ग्राम झिरलिंगा में ग्रीष्मकालीन देशी कद्दू की खेती का अवलोकन किया। जिले का एक मात्र ऐसा ग्राम जहॉ हर किसान ग्रीष्मकालीन कद्दू लगाता है। इस ग्राम के किसान नरेश ठाकुर, सरपंच, इन्द्रसेन ठाकुर, हरीष ठाकुर, रायेसिंग ठाकुर, बृजकुमार ठाकुर, नेकराम साहू, लक्ष्मण ठाकुर, कैलाश ठाकुर, कुबेर ठाकुर के साथ ही इस ग्राम के शत-प्रतिशत किसानों के द्वारा कद्दू फसल की खेती की जा रही है।

उप संचालक कृषि श्री सिंह ने बताया कि ग्राम के लगभग 400 किसानों द्वारा लगभग 500 एकड़ में कददू फसल लगाई गई थी। प्रति एकड़ 10 टन उत्पादन के मान से कम से कम एक लाख रूपये

प्रति एकड का शुद्ध लाभ किसानों ने प्राप्त किया हैं। प्रति किलो 13-14 रूपये के मान से व्यापारी किसान के खेत से ही उठाकर ले जा रहे है। ग्रीष्मकालीन कद्दू की बोनी होली के बाद रामनवमी तक की जाती है। किसान बिना कीटनाशक दवा के देशी कद्दू के बीज स्वयं तैयार कर बोनी करते है, जिससे किसानों को लागत कम आती है एवं मुनाफा अधिक होता हैं।

छिंदवाडा जिले के लगभग 20-25 ग्रामों मे 2000 एकड़ में कद्दू की खेती की जा रही हैं। उप संचालक कृषि से चर्चा के दौरान किसानों द्वारा बताया गया कि अधिकतम कददू का वजन लगभग 65 किलोग्राम एवं औसतन 20-25 किलोग्राम होता है। जिले में कद्दू का टर्नओवर लगभग 20 करोड़ रूपये हैं। यह कद्दू प्रदेश के साथ ही अन्य प्रदेश बिहार, उडीसा, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र तेलंगाना आदि प्रदेश में जा रहा हैं। निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि श्री सिंह के साथ सहायक संचालक कृषि श्री ठाकुर एवं ग्राम के किसान उपस्थित थे।

फसलों का किया निरीक्षण

उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह एवं कृषि अधिकारियों ने गत दिवस जिले के विकासखंड मोहखेड के ग्राम मछेरा, गोविन्दवाडी, नींबूखेडा, चूडाबोह, लावाघोघरी, प्रधानघोघरी एवं सांवरी क्षेत्र में फसलों का निरीक्षण किया। फसलों की स्थिति अच्छी पाई गई। कृषि अधिकारियों द्वारा किसानों से चर्चा कर उन्हें आवश्यक तकनीकी सलाह दी गई।

कलेक्टर ने तामिया के शासकीय स्कूलों का किया औचक निरीक्षण

मध्यान्ह भोजन का स्वाद चखा और गुणवत्ता भी देखी

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने मंगलवार को जिले के विकासखंड तामिया के शासकीय स्कूलों का औचक निरीक्षण किया और मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता भी परखी। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल भी उनके साथ थे। उन्होंने एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिजोरी पठार और शासकीय माध्यमिक शाला नागरी में पहुंचकर सर्वप्रथम स्कूल का औचक निरीक्षण किया और पूरा परिसर देखा। जिसके बाद उन्होंने मध्यान्ह भोजन रसोई में पहुंचकर समूह द्वारा बनाए गए भोजन का निरीक्षण किया, गुणवत्ता देखी और स्वयं भोजन का स्वाद भी चखा। इस दौरान मध्यान्ह भोजन मेनू के अनुसार और गुणवत्ता युक्त पाया गया, साथ ही स्कूल परिसर भी साफ- सुथरा पाए जाने पर कलेक्टर श्री सिंह ने प्राचार्य और शाला प्रभारी की सराहना की। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत तामिया संतोष मांडलिक भी उपस्थित थे।

पी.जी.कॉलेज छिंदवाड़ा का प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उद्घाटन समारोह 14 जुलाई को

बस सेवा, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, लाइब्रेरी आउटलेट, विद्यावान का उद्घाटन और मुख्यमंत्री के लाइव कार्यक्रम का होगा प्रसारण

छिंदवाड़ा। शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के प्राचार्य डॉ.लक्ष्मीचंद ने बताया कि राज्य शासन द्वारा जिले के शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय को उन्नत कर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा प्रदान किया गया है, जिसका उद्घाटन 14 जुलाई को प्रातः 10 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के लाइव कार्यक्रम का प्रसारण देखा व सुना जायेगा। कार्यक्रम में कॉलेज में नई सुविधाओं की शुरुआत के साथ ही कॉलेज में स्थापित भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी के लाइब्रेरी आउटलेट काउंटर, विद्यावान का अवलोकन और विद्यार्थियों के लिये बस सेवा प्रारंभ की जायेगी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.लक्ष्मीचंद और जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री भारत घई ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। साथ ही सभी महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को भी सूचित किया जा रहा है, कि उद्घाटन समारोह में अनिवार्य रूप से सुबह 9.30 बजे महाविद्यालय में उपस्थित रहें।

शासकीय प्राथमिक शाला नौलाझिर का प्राथमिक शिक्षक निलंबित

छिन्दवाड़ा। जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल द्वारा कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी चौरई के 05 जुलाई 2024 एवं संकुल केन्द्र शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांद के संकुल प्राचार्य के प्रतिवेदन के आधार पर शासकीय प्राथमिक शाला नौलाझिर के प्राथमिक शिक्षक सोहन डेहरिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री बघेल ने बताया कि कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी चौरई के 05 जुलाई 2024 के प्रतिवेदन के अनुसार एवं संकुल केन्द्र शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांद के संकुल प्राचार्य के द्वारा 03 व 24 जून 2024 एवं 03 जुलाई 2024 को किये गये शाला के निरीक्षण के दौरान शासकीय प्राथमिक शाला नौलाझिर के प्राथमिक शिक्षक श्री सोहन डेहरिया शाला में अनुपस्थित पाये गये। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजी के अवलोकन में पाया गया कि श्री डेहरिया 01 से 07 जून 2024 तक एवं 15 से 24 जून 2024 तक शाला से अनुपस्थित रहे हैं। इस अनुपस्थिति के संबंध में प्राथमिक शिक्षक श्री सोहन डेहरिया को विकासखंड शिक्षा अधिकारी चौरई द्वारा 24 जून 2024 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। प्राथमिक शिक्षक श्री डेहरिया द्वारा इस कारण बताओ सूचना पत्र का प्रस्तुत जबाव समाधान कारक नहीं पाया गया।

मप्रः सीएम एवं मंत्रियों के संपर्क सूत्र

भाजपा नेता भार्गव बोले- मैं 15000 दिन से विधायक, रावत को किस मजबूरी में मंत्री बनाया?

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लोकसभा चुनाव में भाजपा का दामन थामने वाले विजयपुर (मुरैना) से 6 बार कांग्रेस से विधायक रामनिवास रावत को मध्यप्रदेश की बीजेपी सरकार में मंत्री बना दिया गया। रावत ने सोमवार को मोहन सरकार के 68वें दिन 19वां कैबिनेट मंत्री की शपथ ली। बस इसी बात को लेकर मध्यप्रदेश बीजेपी में एक बार फिर नाराजगी जाहिर होते दिखी। पार्टी के सबसे वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव ने कहा कि मैं 15000 दिन से विधायक हूं, पता नहीं रावत को किस मजबूरी में मंत्री बनाया।

प्रदेश में पहली बार ऐसी घटना हुई जब किसी को 20 मिनट में दो बार शपथ दिलाई। रामनिवास रावत ने राज्य के मंत्री की जगह राज्यमंत्री बोलकर शपथ ली। इस के न बोलने की चूक को पकड़ा तो राज्यपाल ने रावत को दूसरी बार कैबिनेट मंत्री की शपथ दिलाई। रावत को मंत्री बनाने से कई वरिष्ठ बीजेपी नेता नाखुश हैं। उनका कहना है कि जब पार्टी अच्छे बहुमत से सत्ता में है, तो कांग्रेसी को मंत्री बनाने की क्या मजबूरी है। गोपाल भार्गव ने नाराज होते हुए कहा कि मैं 15000 दिन से विधायक हूं, पता नहीं रावत को किस मजबूरी में मंत्री बनाया।

पहले इस्तीफा देते फिर मंत्री बनतेः तन्खा

कांग्रेस ने भी रामनिवास रावत के शपथ लेने के पहले और बाद में बीजेपी पर हमला किया। विवेक तन्खा ने एक्स पर पोस्ट किया कि रामनिवास जी किस पार्टी के सदस्य रहना चाहते हैं यह आपका डिसीजन है। उचित होता कांग्रेस से निर्वाचित विधायक पद से पहले इस्तीफा देते फिर मंत्री बनते। शाम को रावत ने सफाई दी कि वे 5 जुलाई को विस सचिवालय इस्तीफा भेज चुके हैं। विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने कहा कि रावत का इस्तीफा सोमवार शाम मिला, जिसे स्पीकर ने स्वीकार कर लिया।

6 माह में चुनाव जीतना होगा

चंबल संभाग के श्योपुर, मुरैना और शिवपुरी में रावत समाज का वर्चस्व है और यहां रामनिवास रावत का खासा प्रभाव है। रामनिवास ओबीसी समुदाय से आते हैं। उनकी सौम्य छवि और समाज में खासे प्रभाव का बीजेपी को लोकसभा चुनाव में फायदा मिला। रावत को इस्तीफे के बाद अब 6 माह में चुनाव जीतकर फिर सदन पहुंचना होगा।

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में एमपी सफाई कामगार संगठन के कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह शामिल हुए मध्य प्रदेश कांग्रेस सफाई का कामगार संगठन मुख्यमंत्री निवास ज्ञापन देने जाएंगे।

तहसीलदार के आदेश के बजाय कोरा पेज अपलोड कर पटवारी ने बदल दिए सैकड़ों भूमि-स्वामी

राजस्व अभिलेखों में छेड़छाड़ कर शासन को चूना लगा दिया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ग्वालियर। जमीनों में हेरफेर के मामले में कुख्यात ग्वालियर जिले में अब पटवारी ने ही राजस्व अभिलेखों में छेड़छाड़ कर शासन को चूना लगा दिया। जिले के घाटीगांव में पटवारी भुवनचंद मौर्य ने दो सौ तीन सौ भूमि स्वामियों के नाम ही खसरे में बदल डाले। बदलाव ऐसा किया कि पटवारी को खसरे में नाम चढ़ाने व हटाने के लिए तहसीलदार का आदेश मिलता है जिसके स्थान पर पटवारी ने सिस्टम में ब्लैंक पेपर यानी खाली पेज अपलोड कर दिया और नाम बदल डाले।

घाटीगांव के कही बन्हेरी के हाकिम सिंह रावत सहित शिवपुरी व अलग-अलग इलाकों के लोगों के नाम चढ़ा दिए गए। 10 से 15 मामलों में जब कुछ दिनों पहले एसडीएम घाटीगांव राजीव समाधिया के पास शिकायत पहुंची तो तहसीलदार से जांच कराई। जांच में मामला पकड़ा गया कि पटवारी ने ही यह कारनामा किया है। पटवारी को एसडीएम ने निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

बता दें कि पटवारी भुवनचंद मौर्य के खिलाफ किसानों की ओर से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व घाटीगांव राजीव समाधिया ने बताया कि पटवारी हल्का नम्बर-10 बन्हेरी व अतिरिक्त हलका नम्बर-6 सहसारी के पटवारी भुवनचंद मौर्य द्वारा ग्राम चूही, पूछरी, बन्हेरा, बराहना, सेंकरा, सेंकरी व पहसारी के राजस्व खसरों में अपनी लॉगइन आईडी से बिना सक्षम अधिकारी के आदेश के ब्लैंक पेपर अपलोड कर भू-स्वामी के नाम में बदलाव किया। इससे शासन को प्राप्त होने वाले राजस्व की हानि हुई है।

तहसीलदार घाटीगांव दिनेश चौरसिया द्वारा भी पटवारी मौर्य के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था। जिसमें उल्लेख था कि पटवारी मौर्य द्वारा राजस्व अभिलेखों के साथ कूटरचित तरीकों से छेड़छाड़ कर पीठासीन अधिकारी एवं न्यायालय को गुमराह किया गया है। इस प्रकार की गंभीर अनियमितताओं की शिकायत मिलने पर पटवारी को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में भुवनचंद मौर्य का मुख्यालय तहसीलदार वृत रेंहट रहेगा। उन्हें अनुविभागीय अधिकारी की अनुमति के बगैर मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।

पटवारी भुवनचंद मौर्य दो साल से बन्हेरी वाले क्षेत्र में पदस्थ हैं, इसपर अतिरिक्त हल्के का भी चार्ज है। अधिकारियों के अनुसार भुवनचंद मौर्य ने काफी लोगों के साथ मिलकर यह सब किया है इसमें हाकिम सिंह रावत सहित कई लोग शामिल हैं। एक नाम शिवपुरी का सतीश कुमार पुत्र बलवंत सिंह सामने आया है जिसकी जांच की जा रही है। भुवनचंद खाली पेज तहसीलदार के आदेश के कालम में अपलोड कर देता था जिससे सिस्टम में कागज अपलोड हो जाता था और यह पता नहीं चल पाता था आदेश सही डाला गया या नहीं।

इनका कहना है

पटवारी भुवनचंद ने खसरों में भूमि स्वामियों के नाम बदल दूसरों के नाम चढ़ा दिए। ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं। तहसीलदार के जांच प्रतिवेदन के आधार पर पटवारी को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू करा दी गई है। राजस्व की बड़ी हानि पटवारी ने पहुंचाई है।

राजीव समाधिया, एसडीएम, घाटीगांव, जिला ग्वालियर

भोपाल में जिला पंचायत की मीटिंग का बहिष्कार

भोपाल। भोपाल जिला पंचायत की मीटिंग शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई। दरअसल, आज दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन की मीटिंग थी। अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर, उपाध्यक्ष मोहन जाट समेत अभी सदस्य मीटिंग में समय पर पहुंच गए, लेकिन सीईओ ऋतुराज सिंह आधे घंटे बाद तक भी मीटिंग में नहीं पहुंचे। इस वजह से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों ने मीटिंग का विरोध कर दिया। बहिष्कार करते हुए वह मीटिंग हॉल से बाहर निकल गए। मीटिंग में पानी, स्वास्थ्य, सड़क जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होनी था।

ट्रैफिक पुलिस के एएसआई ने गोली मारकर आत्महत्या की

भोपाल। कमला नगर स्थित नेहरू नगर पुलिस लाइन में रहने वाले ट्रैफिक पुलिस के एक एएसआई ने बुधवार की सुबह नौ बजे स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। अपनी लाइसेंस 315 बोर की राइफल से उन्होंने खुद को शूट किया है। पुलिस की शुरुआती जांच में पत्नी की बीमारी से डिप्रेशन में होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि पत्नी कैंसर से पीड़ित हैं। योगेंद्र बुधवार सुबह जल्दी उठ गए थे। रोज की तरह पूजा-पाठ की, इसके बाद अपने बेडरूम में जाकर खुद को गोली मार ली। वे भोपाल के जोन नंबर 4 में पदस्थ थे। गोली उनकी ठुड्डी को चीरते हुए सिर में धंसी है। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस शुरूआती जांच में पत्नी की कैंसर की बीमारी से करीब दो साल से डिप्रेशन होने की बात सामने आ रही है।

शासकीय कर्मचारियों-अधिकारियों के तबादलों से हटेगा प्रतिबंध,15 दिन की मिलेगी मोहलत

भोपाल। मप्र में लंबे समय से लगा तबादलों पर प्रतिबंध खत्म होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अनुसंशा पर 15 दिन के लिए दबादलों से प्रतिबंध हटाने की रणनीति तैयार की जा रही है। 15 दिनों के लिए सभी विभागों को प्रशासनिक और स्वैच्छिक आधार पर तबादले करने की अनुमति रहेगी। किसी भी संवर्ग में 20 फीसदी से अधिक तबादले नहीं किए जाएंगे। इसके लिए तबादला नीति का प्रारुप भी तैयार किया जा रहा है। सीएम मंत्रियों से विचार-विमर्श करने के बाद नीति को अंतिम रुप देंगे। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में साल 2021 में तबादला नीति घोषित की गई थी। तब जुलाई में एक माह के लिए तबादले से प्रतिबंध हटाया गया था। इसके बाद मुख्यमंत्री समन्वय के माध्यम से तबादले होते रहे पर नीति घोषित नहीं की गई। साल 2023 में विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची की तैयारी के चलते निर्वाचन कार्य से सीधे जुड़े कलेक्टर, अपर कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, शिक्षक और पटवारियों के स्थानांतरण पर प्रतिबंध लगा दिया। उन अधिकारियों को जरुर स्थानांतरित किया गया, जो तीन वर्ष से एक ही स्थान पर पदस्थ थे। यही प्रक्रिया लोकसभा चुनाव के लिए भी अपनाई गई थी।

मौसमः धार-छिंदवाड़ा समेत 18 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

भोपाल-इंदौर में हल्की बारिश होगी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन के एक्टिव होने से बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को इंदौर समेत कई जिलों में बारिश हुई जबकि बुधवार को निमाड़ के साथ एमपी का दक्षिणी हिस्सा भीगेगा।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में छतरपुर, पन्ना, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि एमपी के उत्तरी हिस्से में ट्रफ लाइन गुजर रही है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी एक्टिव है। इस वजह से बारिश हो रही है, जो आगे भी जारी रहेगी।

इससे पहले मंगलवार को मंडला, बालाघाट, बैतूल, धार, ग्वालियर, इंदौर, रतलाम समेत कई जिलों में बारिश हुई।

दूसरी ओर, भोपाल समेत कई शहरों में धूप भी निकली। इस वजह से दिन के टेम्प्रेचर में बढ़ोतरी हो गई। सीधी, दमोह और नौगांव में पारा 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 34.3 डिग्री सेल्सियस, इंदौर में 33.4 डिग्री, ग्वालियर में 36.6 डिग्री, जबलपुर में 34.1 डिग्री और उज्जैन में 35 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। बैतूल में तापमान सबसे कम 28.5 डिग्री रहा। खरगोन-पचमढ़ी में 29.2 डिग्री और सिवनी में यह 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इंदौर में पौधरोपण कार्यक्रम बना राजनीतिक मंच

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ताई सुमित्रा महाजन को दिया पत्र का जवाब

इंदौर। इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान एक बार फिर पुराना राजनीतिक ताई और भाई विवाद सामने आ गया। चार दिन पहले पूर्व स्पीकर व सांसद सुमित्रा महाजन ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव के नाम पर पत्र लिख इस पौधरोपण कार्यक्रम को लेकर सवाल खड़े किए थे। साथ ही नसीहत दी थी कि पौधे लगाना आसान है, लेकिन बाद में ऑडिट होना चाहिए। 51 लाख बहुत बड़ा लक्ष्य है। इसका ऑडिट होना चाहिए। इस पर मंत्री कैलाश विजयववर्गीय ने मंच से ही जवाब दिया। इस दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला मौजूद थे।

ताई ने दी थी पत्र लिखकर नसीहतः सुमित्रा महाजन ने पत्र में नसीहत और सुझाव दिए थे। इसमें कहा गया कि लाखों पेड़ लगाने का लक्ष्य काफी बड़ा है और यह जल्दबाजी में संभव नहीं है। इसके पहले भी कई बार लाखों पौधे लगाने की बात हुई, लेकिन बाद में इसकी सफलता का एक ऑडिट हम कर सकते हैं क्या? इसमें देखा जाना चाहिए कि कितने पौधे पनपे, उनका प्रतिशत कितना रहा, क्या खामी रही कि पौधे नहीं पनपे, सफलता के पीछे क्या कारण रहा, यह सभी आडिट होना चाहिए। आडिट का काम वहां पर रहने वाले स्थानीय स्कूल के बच्चों, सेवानिवृत्त व्यक्तियों को दिया जाए।

मंच से यह कही बात, गलतियां बताना मेरा काम

मंगलवार को कार्यक्रम में ओम बिरला के साथ महाजन भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि मैं अब दादी बन गई हूं। अब अच्छे काम को आशीर्वाद देना और गलती हो गई तो बताना केवल यह मेरा काम है। आशीर्वाद देने आई हूं, ऐसे ही अच्छे काम करो, धरती मां की सेवा करो, देश को आगे बढ़ाओ।

मंत्री विजयवर्गीय ने इस तरह दिया जवाब

इस पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंच से कहा कि- जो यह पेड़ लग रहे हैं, लोग बहुत सारी शंका करते हैं कि पेड़ लग जो जाते हैं, लेकिन रक्षा नही करते हैं। हमने हर समाज को दस-दस पेड़ दिए हैं। अग्रवाल समाज को अग्रसेन वन, महेशवरी समाज को महेश वन, दलित समाज को बाबा आंबेडकर वन। सभी समाज के लोग आएंगे और पौधरोपण करेंगे। यह उनकी जवाबदेही होगी कि वह इन पौधों को देखें। वह भी देखेंगे और हम भी देखेंगे। इस बार हमने पांच फिट के पेड़ लगाए हैं, जिनका जीवित रहने का प्रतिशत 90 से 99 फीसदी है। इस बार 51 लाख पेड़ लगा रहे हैं। अगले साल इन्हें गिनेंगे और फिर हम 51 लाख लगाएंगे। हर पांच साल यह 51-51 लाख पेड़ लगाएंगे। अभी हम हरियाली में 17वें नंबर पर हैं, लेकिन पांच साल में हम क्लीन इंदौर की तरह ग्रीन इंदौर बनेंगे। हरियाली में नंबर वन बनेंगे।